पौष शुक्ल पक्ष - 5, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 172 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

> ग्वालियर में 'अभ्युदय मध्य प्रदेश - ग्रोथ समिट'

> दो लाख करोड़ के निवेश के लिए हो रहे हैं करार

> गृहमंत्री बोले - एमपी के मेट्रो प्रोजेक्ट की लागत सबसे कम

देश के लिए उदाहरण बनेगा मध्यप्रदेश का संतुलित औद्योगिक विकास : अमित शाह

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मप्र ऐसा पहला राज्य बन रहा है जहां प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को औद्योगिक दृष्टि से विकसित करने का प्रयास हो रहा है। भविष्य में प्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनेगा। श्री शाह आज ग्वालियर में आयोजित 'अभ्युदय मध्य प्रदेश - ग्रोथ समिट' के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर अंचल में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। यह अटल जी की जयंती पर उन्ही की जन्मस्थली से उन्हें सच्ची श्रद्धांजली है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मप्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां राज्य के विभिन्न हिस्सों का संतुलित विकास आज की जरूरत है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। इससे सभी क्षेत्र विकसित होंगे और वहां के स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश के मल्टी मॉडल लॉजिस्टक हब की भी सराहना की, जो देश भर के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। प्रदेश की मेट्रो परियोजना को श्री शाह ने सबसे कम लागत वाला प्रोजेक्ट बताया।

अटल जी ने इन्फ्रास्ट्रक्चर को वोट का माध्यम नहीं बनाया

अमित शाह ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उनके द्वारा लागू की गई योजनाओं को उन्होंने वोट के लिए इस्तेमाल नहीं किया। फिर चाहे स्वर्णिम चतुर्भुज हो या प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना। केंद्रीय गृहमंत्री ने अटल जी को ऐसा अजातशत्रु बताया जिनके खिलाफ उनके विरोधी भी कुछ नहीं बोलते थे। उन्होंने देश की सांस्कृतिक विरासत को बचाने में जीवन लगाया और स्वराज को सुशासन तक ले जाने की राह दिखाई।

मुख्यमंत्री बोले - केंद्र की नीति के तहत एमपी अब नक्सलमुक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि, रोजगार, कानून व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। अटल जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ग्वालियर से युवाओं को रोजगार और क्षेत्र के विकास के लिए हो रहे निवेश के एमओयू उन्हें सच्ची श्रद्धांजली है। डॉ. यादव ने खासतौर से प्रदेश को नक्सली समस्या से मुक्त किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बीते 11 दिसंबर को केंद्र की नीति के तहत प्रदेश को नक्सल समस्या से मुक्त किया है।

कार्यक्रम में निवेशकों को सिंगल क्लिक से औद्योगिक प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिये भूमि आवंटन किया। इसके साथ ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया गया। समिट में शामिल हो रहे उद्योगों में गोदरेज इंडस्ट्रीज, गौतम सोलर, हीडलबर्ग सीमेंट, एलएनजे भीलवाड़ा समूह, जेके टायर, टोरेंट पावर, मैकेन फूड, एलिक्सर इंडस्ट्रीज़, ग्रीनको, जुपिटर वैगन्स, डाबर इंडिया, वर्धमान समूह, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड आदि शामिल हैं।

रीवा में प्राकृतिक खेती प्रकल्प

दोपहर बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रीवा पहुंचे। वहां वे सेमरिया के बसामन मामा पहुंचकर गौ अभयारण्य में प्राकृतिक खेती प्रकल्प का शुभारंभ कर रहे हैं। इस प्रकल्प में परंपरागत बीजों का संचय, गोमूत्र और गोबर से निर्मित खाद व कीटनाशक, अंतवर्तीय फसल, औषधीय पौधों की खेती और फलीउद्यान विकास शामिल है।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में हादसा

स्लीपर बस में आग से 10 यात्री जिंदा जले

चित्रदुर्ग, एजेंसी

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि यह आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्र्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं।

चश्मदीद ने बताया, यात्री बचाने की गुहार लगा रहे थे

हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि वे एक स्कूल बस में बेंगलुरु से दांडेली के लिए निकले थे। उसी समय यह हादसा हुआ। लॉरी अचानक सड़क पार से आई और स्लीपर बस से टकरा गई। स्कूली बच्चों वाली बस के ड्राइवर ने पीछे से बस को टक्कर मारी और दूसरी तरफ मुड़कर सड़क से नीचे उतर गया। इसके कारण किसी को मामूली चोट भी नहीं आई। स्कूल बस के ड्राइवर के मुताबिक टक्कर के बाद स्लीपर बस के अंदर बैठे यात्री चिल्ला रहे थे। लॉरी ने बस के डीजल टैंक में टक्कर मारी, जिससे धमाका हुआ और बस में आग लग गई। पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

न्यूज विंडो

थरूर बोले- वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में जगह दो

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की। थरूर ने बीसीसीआई से गुजारिश की है कि 14 साल के शशि थरूर को राष्ट्रीय टीम में जगह दी जाए। शशि थरूर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 'आखिरी बार 14 साल के लड़के ने इतनी क्रिकेट प्रतिभा दिखाई थी, वो सचिन तेंदुलकर थे। और हम सभी जानते हैं कि वो क्या बने।

ताइपे में भूकंप से डोली धरती, सड़कों पर लोग

ताइपे, एजेंसी। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर ताइवान में प्रकृति का कहर देखने को मिला। देर रात द्वीप के दक्षिण-पूर्वी हिस्से से लेकर राजधानी ताइपे तक भूकंप के दो शक्तिशाली झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। रिक्टर स्केल पर मुख्य झटके की तीव्रता 6.1 मापी गई है जिससे ऊंची इमारतें ताश के पत्तों की तरह हिलने लगीं। जैसे ही भूकंप आया राजधानी ताइपे के दफ्तरों और ऊंची इमारतों में काम कर रहे लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर दौड़ पड़े।

केरल: क्रिसमस कैरोल के दौरान दो गुटों में झड़प

अलाप्पुझा, एजेंसी। केरल के तटीय जिले अलाप्पुझा में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर उस समय हंगामा मच गया, जब दो अलग-अलग कैरोल सिंगिंग ग्रुप्स के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बात मारपीट तक पहुंच गई। नूरानाड इलाके में हुई इस घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह झड़प क्रिसमस ईव की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे हुई। दोनों ग्रुप्स कैरोल राउंड्स के दौरान एक-दूसरे से भिड़ गए। छोटी सी असहमति जल्दी ही तनाव में बदल गई और दोनों तरफ के लोग आमने-सामने आ गए। नूरानाड क्षेत्र में यह झड़प हुई, जो अलाप्पुझा जिले का हिस्सा है। पुलिस के मुताबिक, कैरोल गाते हुए ग्रुप्स जब एक ही इलाके में पहुंचे, तो विवाद शुरू हो गया।

सोशल मीडिया नीति में बड़ा बदलाव

अब इंस्टाग्राम पर पोस्ट नहीं कर पाएंगे सेना के जवान

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर अपनी नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब सेना के जवान और अधिकारी इंस्टाग्राम का उपयोग केवल देखने और निगरानी के उद्देश्य से कर सकेंगे। वे किसी भी प्रकार की पोस्ट नहीं कर पाएंगे और न ही किसी पोस्ट को लाइक या उस पर टिप्पणी कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, डिजिटल गतिविधियों को लेकर सेना के लिए पहले से लागू सभी अन्य नियम यथावत रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि ये निर्देश सेना की सभी यूनिटों और

विभागों को जारी कर दिए गए हैं। इसका उद्देश्य सैनिकों को सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री को देखने, उससे अवगत रहने और सूचनाएं जुटाने की सीमित अनुमति देना है, ताकि वे फर्जी या भ्रामक कंटेंट को पहचान सकें।

हनी ट्रैप और सूचना लीक के चलते सख्ती

इन सख्त नियमों की पृष्ठभूमि में ऐसे कई मामले सामने आए थे, जिनमें विदेशी एजेंसियों द्वारा बिछाए गए 'हनी ट्रैप' में फंसकर कुछ सैनिकों से अनजाने में संवेदनशील जानकारियां लीक हो गई थीं। इसी को देखते हुए सोशल मीडिया पर नियंत्रण को आवश्यक माना गया।

23 लाख के इनामी तीन माओवादी ढेर

भुवनेश्वर, एजेंसी

बेलघर पुलिस स्टेशन इलाके के गुम्मा जंगल में बुधवार देर रात पुलिस और माओवादियों में मुठभेड़ हुई। पुलिस ने आज बताया कि ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक महिला कैडर सहित तीन माओवादी मारे गए हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो पुरुष नक्सलियों की पहचान CPI (माओवादी) के एरिया कमेटी मेंबर बारी उर्फ राकेश और दलम सदस्य अमृत के रूप में हुई है, दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि इन दोनों पर कुल 23.65 लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि सुबह मुठभेड़ स्थल के पास से एक और महिला कैडर का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।मिली जानकारी के अनुसार, ओडिशा पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की एक छोटी मोबाइल टीम ने जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया, तभी उनका सामना माओवादियों से हुआ। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई, जिसमें माओवादी मारे गए। दो पुरुष कैडरों के शव तुरंत बरामद कर लिए गए, जबकि एक और महिला नक्सली का शव बाद में कुछ दूरी पर मिला। पुलिस ने एक रिवॉल्वर, एक .303 राइफल और एक वॉकी-टॉकी सेट जब्त किया है।

ट्रेन की चपेट में आने से पांच की मौत

शाहजहांपुर, एजेंसी

शाहजहांपुर में बरेली-रोजा रेलखंड पर रोजा जंक्शन के पास मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर गरीब रथ ट्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार दंपती, उनके दो मासूम बच्चों और एक अन्य युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक ट्रेन के इंजन में फंसकर करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसा उस समय हुआ, जब बरेली से लखनऊ की ओर जाती सहरसा-अमृतसर गरीब रथ ट्रेन रोजा स्टेशन के आउटर पर पहुंच रही थी।

खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की 17 साल बाद घर वापसी, ढाका की सड़कों पर जननायक की तरह स्वागत

ढाका, एजेंसी

लंदन में 17 साल के निर्वासन के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान अपनी पत्नी और बेटी के साथ आज ढाका पहुंच गए हैं। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब देश युवा नेता शरीफ ओसमान हादी की हत्या के बाद हुई हिंसा से जूझ रहा है। हादी की मौत ने पूरे बांग्लादेश में तनाव बढ़ा दिया है और इसी बीच गृह मंत्रालय के एक विशेष सहायक ने इस्तीफा दे दिया है।

तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं और बीएनपी के प्रमुख चेहरा माने जाते हैं। उनके पहुंचने पर एक लाख से ज्यादा पार्टी कार्यकर्ता स्वागत के लिए एयरपोर्ट पहुंचे। बांग्लादेश की फ्लाइट

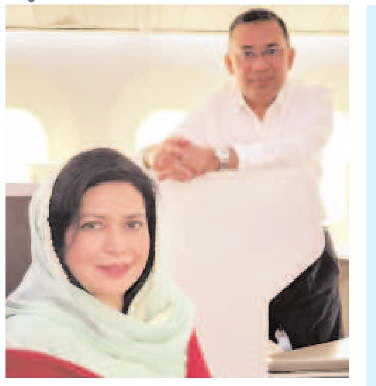

एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। अंतरिम सरकार ने बीएनपी की मांग पर पूरा सहयोग देने का वादा किया है। पार्टी का दावा है कि लाखों कार्यकर्ता ढाका में जुटे हैं।

हादी की हत्या से बांग्लादेश में हिंसा की उठती लपटें

देश में तनाव का मुख्य कारण युवा नेता शरीफ ओसमान हादी की मौत है। हादी पिछले साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक थे। 12 दिसंबर को ढाका में मस्जिद से निकलते समय नकाबपोश हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी थी। इसके बाद से देश हिंसा की आग में जल रहा है। कल भी ढाका के मोगबाजार इलाके में एक फ्लाईओवर से बॉम्ब फेंके जाने की घटना सामने आई। इस बीच गृह मंत्रालय के विशेष सहायक खुदाबख्श चौधरी ने इस्तीफा दे दिया।

पांच साल बाद 'मृत' महिला जिंदा लौटी

नई दिल्ली। वियतनाम के थान्ह होआ प्रांत में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। एक महिला, जो पांच साल पहले कानूनी तौर पर मृत घोषित हो चुकी थी, अचानक जिंदा लौट आई और अपनी मौत का रजिस्ट्रेशन रद्द कराने की मांग की। अधिकारियों को यह देखकर झटका लगा कि उनके रिकॉर्ड में इसी नाम और पते वाली महिला की मौत जून 2020 में दर्ज थी। जांच शुरू हुई तो पूरा मामला इंश्योरेंस धोखाधड़ी का निकला, जिसमें करीब 1.2 अरब वियतनामी डोंग (लगभग 40 लाख रुपये) की रकम हड़पी गई है।

अंदर खास...

राजनीति के अजातशत्रु पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अभिव्यक्ति : पेज 4

मेट्रो एंकर

डीआरडीओ द्वारा विकसित पूर्णतः देशी तकनीक से तैयार, 3500 किलोमीटर है क्षमता

समुद्र में के-4 मिसाइल का लॉन्च, जद में रहेंगे चीन और पाक

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने एक गोपनीय पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि ये परीक्षण बंगाल की खाड़ी में किया गया। दरअसल, यह परीक्षण परमाणु-सक्षम के-4 मिसाइल का था। यह मिसाइल अरिहंत-क्लास पनडुब्बी से लॉन्च की गई। इस परीक्षण को लेकर पहसे से कोई घोषणा नहीं की गई थी। वहीं, NOTAM भी रद्द किया गया था, जिससे गोपनीयता बनाए रखी जा सके। दावा किया जा रहा है कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इस क्षेत्र में चीनी निगरानी जहाज मौजूद थे। यह परीक्षण भारत की समुद्र आधारित

न्यूक्लियर ट्रायड को मजबूत कर रहा है, जिससे सेकंड स्ट्राइक की क्षमता सुनिश्चित होती है। इस मिसाइल से दुश्मन के पहले हमले के बाद ही जवाबी कार्रवाई की गारंटी भी मिल जाती है।

मिसाइल की खासियत

इस के-4 मिसाइल की सबसे खास बात है कि यह स्वदेशी के- सीरीज की मिसाइल है। यह डीआरडीओ की ओर से विकसित की गई है। मिसाइल खास तौर पर अरिहंत-क्लास परमाणु पनडुब्बियों के लिए ही डिजाइन की गई है। इस मिसाइल की रेंज करीब 3500 किलोमीटर है। वहीं, इसकी लंबाई 12 मीटर के करीब है। व्यास की बात करें तो वह 1.3 मीटर है। मिसाइल का वजन 17-20 टन का है। पेलोड की बात करें तो यह 2 टन तक है। इसमें पानी के नीचे से लॉन्च (कोल्ड लॉन्च सिस्टम), 3डी मैन्यूवर करने में सक्षम, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस से बचने की ताकत भी है।

अचूक सेकेंड स्ट्राइक क्षमता

के-15 मिसाइल की रेंज पाकिस्तान के सीमित हिस्सों तक ही थी, लेकिन के-4 बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद पाकिस्तान और चीन का बड़ा हिस्सा भारत की रेंज में आ गया है। इस मिसाइल परीक्षण से दुश्मन देशों की बेचैनी और भी ज्यादा बढ़ सकती है। यह मिसाइल भारत की नो फर्स्ट यूज नीति के तहत अचूक सेकेंड स्ट्राइक क्षमता को और मजबूत करती है।

आधी रात हुआ प्रभु यीशु का जन्म चर्च में सुनाई दी कैरोल गीतों की गूंज

भोपाल। राजधानी में क्रिसमस को लेकर उत्साह चरम पर है। प्रदेशभर के चर्च (गिरजाघर) आकर्षक रोशनी से सजाए गए हैं और बुधवार रात 12 बजे प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के साथ ही विशेष आयोजन हुए। देर रात विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। केक काटा जाने लगा और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर क्रिसमस की शुभकामनाएं देने लगे। कैरोल गीतों की गूंज सुनाई दी। शहर के सभी चर्च में प्रभु यीशु के जन्म को दर्शाने वाली सुंदर चरनियां बनाई गई हैं। प्रतीकात्मक रूप से चर्च के साथ-साथ कई घरों में भी चरनी सजाई गई हैं। इसी तरह इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी क्रिसमस की तैयारियां छाई रहीं। प्रदेश के अलग-अलग शहरों में क्रिसमस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

सरकारी अस्पतालों में मिलेगा प्राइवेट जैसा हाइटेक इलाज

250 करोड़ से बदलेगी स्वास्थ्य व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में जल्द ही इलाज की तस्वीर बदली हुई नजर आएगी। मरीजों को अब निजी अस्पतालों जैसी आधुनिक और हाई-टेक चिकित्सा सुविधाएं सरकारी संस्थानों में ही उपलब्ध होंगी। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड ने अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की बड़े स्तर पर खरीदी की प्रक्रिया शुरू की है। इस योजना के तहत प्रदेश के जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इस पूरी परियोजना पर लगभग 100 करोड़ से 250 करोड़ रुपये तक का बजट खर्च किए जाने का अनुमान है। इस निवेश से सर्जरी, ईएनटी, गायनेकोलॉजी और डर्मेटोलॉजी जैसे प्रमुख विभागों को अत्याधुनिक मशीनों से लैस किया जाएगा।

इसके साथ ही अस्पतालों में मरीजों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बेड साइड स्टूल, आईवी स्टैंड की व्यवस्था की जाएगी। रेडियोलॉजी विभाग के लिए डिजिटल एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड मशीनें भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे जांच सुविधाएं और अधिक सटीक व तेज होंगी। आधुनिक उपकरणों के माध्यम से गंभीर बीमारियों की पहचान अब जिला स्तर पर ही संभव हो सकेगी। इससे मरीजों को जांच के लिए बड़े शहरों या निजी लैब्स की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। वहीं, सर्जरी विभाग में नई ओटी टेबल और मशीनों की मदद से जटिल ऑपरेशनों की सफलता दर बढ़ेगी और मरीज जल्दी स्वस्थ होकर घर लौट सकेंगे।

गायनेकोलॉजी और पीडियाट्रिक्स विभाग में उपलब्ध कराए जाने वाले विशेष उपकरण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेंगे, जिससे गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में कमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, ईएनटी और डर्मेटोलॉजी विभागों में वे जांच सुविधाएँ भी शुरू होंगी, जो अभी तक केवल महंगे निजी क्लीनिकों में ही उपलब्ध थीं। इस पहल से टीबी नियंत्रण कार्यक्रम को भी मजबूती मिलेगी। टीबी से संबंधित उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति के साथ-साथ आयुष चिकित्सा पद्धति को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे आयुष औषधालयों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक उपकरण मंगाए जा रहे हैं। इस पहल से स्थानीय स्तर पर ही हाई-टेक इलाज सुलभ हो सकेगा।

अवैध वसूली की शिकायतों के बाद सख्ती

चेक पॉइंट पर वर्दी-नेम प्लेट जरूरी, निजी व्यक्ति गाड़ी चेक करता मिला तो एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यूपी-एमपी बॉर्डर पर परिवहन चेक पॉइंट्स से अवैध वसूली की शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अब यदि किसी चेक पॉइंट पर प्राइवेट व्यक्ति गाड़ियों की जांच करता मिला, तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। अवैध वसूली और दलाली रोकने के लिए परिवहन विभाग के सभी अफसर-कर्मचारियों को वर्दी में तैनात रहना और नेम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि चेक पॉइंट्स पर पारदर्शिता और निगरानी बढ़ाने के लिए बॉर्डर एरिया में कैमरे लगाए जाएंगे। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने बताया कि मऊगंज कलेक्टर व एसपी से चर्चा के बाद फैसला लिया गया है। दलालों की मौजूदगी से अवैध वसूली बढ़ती है, विभाग की छवि खराब होती है। ये निर्देश प्रदेश में 45 चेक पॉइंट्स पर तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

पांचवी-आठवीं के लिए समय सारणी जारी

20 से शुरू होकर 28 फरवरी तक होगी परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कक्षा पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेंगी, जो कि दोपहर दो बजे से साढ़े चार बजे तक आयोजित होंगी, जिसकी अवधि ढाई घंटे निर्धारित की गई है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल ने सत्र 2025-26 के लिए कक्षा पांच और आठवीं की वार्षिक परीक्षाओं की समय सारणी जारी कर दी है। यह परीक्षाएं प्रदेश के सभी शासकीय मान्यता प्राप्त अशासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में आयोजित की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार कक्षा 5 और 8वीं दोनों की परीक्षा में 20 फरवरी को प्रथम भाषा का पेपर होगा, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी विषय शामिल है। 21 फरवरी को गणित और दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए संगीत की परीक्षा होगी। 23 फरवरी को दूसरी चयन भाषा हिंदी और अंगेजी की परीक्षा निर्धारित की गई है। 5 फरवरी को पर्यावरण अध्ययन और 26 फरवरी को अतिरिक्त भाषा का पेपर आयोजित किया जाएगा।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के तहत पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा दी जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टरों और शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समय सारणी के अनुसार परीक्षा का सुचारू आयोजन सुनिश्चित किया जाए. साथ ही परीक्षा से संबंधित जानकारी समय पर स्कूलों और विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाए। परीक्षा अवधि के दौरान यदि किसी दिन स्थानीय या अन्य अवकाश घोषित होता है तो भी परीक्षा निर्धारित समय सारणी के अनुसार ही संपन्न कराई जाएगी।

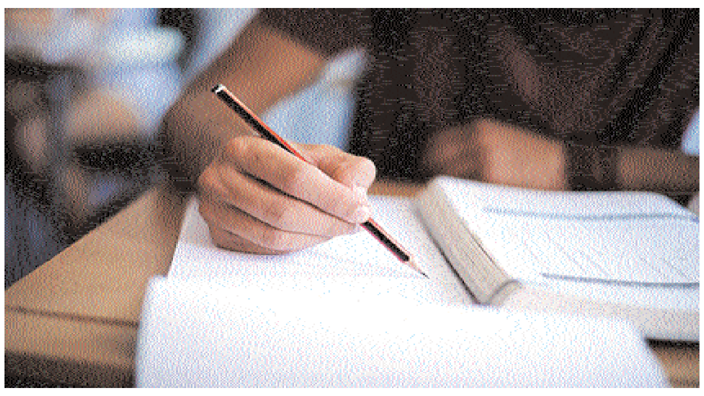

2-3 जनवरी को मोहन भागवत भोपाल में, युवा संवाद और प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे

भोपाल। नए साल की शुरुआत मध्यप्रदेश में राजनीतिक और वैचारिक गतिविधियों के साथ होने जा रही है। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चार बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिनमें संघ प्रमुख मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद करेंगे। नए साल की शुरुआत में आरएसएस चार बड़े वैचारिक और सामाजिक संवाद कार्यक्रमों करने जा रहा है। 2 और 3 जनवरी को आयोजित इन कार्यक्रमों में संघ प्रमुख (सरसंघचालक) मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने के बाद देश और समाज के लिए भविष्य की दिशा और भूमिका को सार्वजनिक रूप से सामने रखेगा। संघ के कार्यक्रमों की शुरुआत 2 जनवरी को होगी। इस दिन दो प्रमुख आयोजन होंगे। पहला युवा संवाद, जिसमें मोहन भागवत भारत को विश्व पटल पर संगठित, सशक्त और समर्थ राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका पर अपना व्याख्यान देंगे।

प्ररेणा प्रस्तुति के जरिए नवनिध स्कूल की छात्राओं ने दी सिद्धभाऊ को बधाई

हिरदाराम नगर. नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में संस्था के अध्यक्ष व संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी का जन्म दिन मनाया गया। भाऊजी की शिक्षाओं पर आधारित प्रेरणा प्रस्तुति द्वारा उनकी सीखों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी, उपप्राचार्य सुश्री रेखा केवलानी, समन्वयकगण, शिक्षकगण ने भाऊजी को बधाई दी। प्राथमिक कक्षाओं की छात्राओं ने सिंधी नृत्य प्रस्तुत कर भाऊजी को बधाई दी। छात्राओं द्वारा निर्मित सुंदर शुभकामना कार्ड्स के माध्यम से भी स्नेह, सम्मान के भाव प्रकट किए गए। विद्यालय की शिक्षिकाओं में नीलम रायसिंघानी, मृणाल देशपांडे, भावना आर्या, शोभना दुबे, सीमा बजाज, रंजीता फुलबानी, शालिनी तलरेजा, मंजूश्री जोशी, अनीता उपाध्याय एवं कीर्ति मिश्रा को स्टार टीचर अवार्ड के रूप में प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

कलयुग में प्रत्यक्ष रूप में विराजमान हैं हनुमानजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो. राम प्रवेश दासजी महाराज नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सकलहिंदू समाज द्वारा हनुमान चालीसा के पाठ में सम्मिलित हुए। महाराज ने कहा कलयुग में प्रत्यक्ष रूप से हनुमान जी महाराज विराजमान है, जो हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। श्री राम, जय राम-जय जय राम का कीर्तन करते हैं वहां पर हनुमान जी महाराज उनके आराध्य राम भक्त कीर्तन सुनने के लिए विराजमान होते हैं। श्रद्धालुओं ने अंश पुरोहित के नेतृत्व में महाराजजी का स्वागत किया। आचार्य द्वारा संगीत में हनुमान चालीसा एवं राम भक्त हनुमान जी महाराज की आरती की गई। आचार्य श्याम, आचार्य पंडित जीवन प्रसाद तिवारी, आचार्य राधा रमन, पंडित शिवानंद का सुरेंद्र राठौर द्वारा तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया गया। हनुमान चालीसा में बैरागढ़ की थाना प्रभारी अशोक गौतम, विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता विशाल पुरोहित, विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गुर्जर, विश्व हिंदू परिषदविश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री जीतू कटारिया, बजरंग दल के जिला सहसंयोजक दया मेर, नुक्कड़ वाली माता मंदिर समिति सेवा धारी पीपीलेश्वर हनुमान मंदिर के भक्त सम्मिलित हुए।

वायु प्रदूषण निवारण पर जागरूकता कार्यक्रम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो. साधु वासवानी महाविद्यालय के छात्रों ने वायु प्रदूषण के कारण और निवारण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला एवं बाल विकास परियोजना, मोतिया पार्क, आंगनवाड़ी केन्द्र बैरागढ़, बेहटा गांव में महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने औद्योगिकीकरण, वाहनों से निकलने वाले, पराली जलाने से निकलने वाले धुएं, निर्माण कार्यों से उत्पन्न धूल तथा वृक्षों की कटाई जैसे वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों को बताया। साथ ही वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर पढ़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इससे बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने, वृक्षारोपण, स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों के प्रयोग, तथा प्रदूषण नियंत्रण नियमों के पालन पर जोर दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महिलाएं, प्राध्यापक डॉ मधुलिका सिंह, डॉ अर्चना सिंह, डॉ सुप्रिया दास एवं आरती मैना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अफसाना खान, सरोज अहिरवार व स्टाफ मौजूद रहा।

मेट्रो एंकर | रेल साहित्य परिषद् की काव्य गोष्ठी

बिखरे अनूठी कविताओं के विविध रंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल साहित्य परिषद्,भोपाल के तत्वाव्धान में आयोजित मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने की। सबसे पहले युवा कवि के रूप में सुखेन्द्र साहू ने गाय की दयनीय स्थिति पर अपनी कविता के माध्यम से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा, इसके बाद नमन चौकसे ने अपनी गजल में चुनिंदा शेरों से अपनी बात रखी और पढ़ा खुद को आसान करना पड़ता है, कितने युद्धों को शांत करना पड़ता है आशीष कुमार गुप्ता ने पढ़ा है जीवंत इस दिल में, रच गई एक अमर कहानी, मान मर्यादा के साथ जीने वाली महरानी कुमार अखिलेश ने पढ़ा- कर्मशील तप त्याग साधना से परिपूर्ण अटल के जैसा किरदार होना चाहिए,नीतिरज चौरे ने पढ़ा कैसे कुछ कवियों ने लेखनी को बेच दिया, धन यश वैभव के पीछे भागे जा रहें। पंकज दमाड़े ने गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए अपने अंदाज में पढ़ा इतनी मेहनत कर की सफल हो,बेहतर तेरा आज और कल हो। अंदाज में सतीश चंद्र श्रीवास्तव सागर ने पढ़ा सर दर्द हो तो घुटने सहलाइए,ये नए जमाने का चलन है, उसूलों पर मत जाइए। इसके पश्चात अंत में घनश्याम मैथिल अमृत ने पढ़ा-तीर निशाने पर लगेगा, खींच कर कमान रखिये। संचालन युवा कवि नीतिराज चौरे ने किया।

कर्मचारियों के बीमा के लिए हर महीने 48 लाख अतिरिक्त खर्च करेगा प्रशासन

भोपाल। नगर निगम के उन हजारों हाथ-पांवों के लिए राहत भरी खबर है, जो दिन-रात शहर की व्यवस्था को पटरी पर रखते हैं। लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद, अब निगम के दैनिक वेतन भोगी और विनियमित कर्मचारियों को भी बीमा योजना का लाभ मिलने जा रहा है। निगम प्रशासन ने इसके लिए 48 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि बतौर प्रीमियम जारी करने का फैसला किया है। निगम के अपर आयुक्त वरुण अवस्थी ने बताया कि 21 हजार रुपये से कम वेतन पाने वाले 11,999 कर्मचारियों की सूची तैयार कर ली गई है। इस बीमा योजना की सबसे खास बात इसकी शेयरिंग है। कर्मचारी के हिस्से से प्रीमियम के रूप में हर महीने मात्र 70 रुपये काटे जाएंगे, जबकि शेष 330 रुपये निगम अपने खाते से जमा करेगा। यानी 400 रुपये के इस सुरक्षा कवच के लिए निगम 90 प्रतिशत का योगदान देगा। निगम पर बढ़ेगा 48 लाख का मासिक बोझ राज्य कर्मचारी बीमा आयोग के माध्यम से लागू होने वाली इस योजना से निगम के खजाने पर हर महीने लगभग 48 लाख रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री
श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी
की 101वीं जयंती के अवसर पर
मध्यप्रदेश के औद्योगिक एवं
आर्थिक विकास की दिशा तय करता
ऐतिहासिक आयोजन
श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री
निवेश से रोज़गार का अटल संकल्प
अभ्युदय
मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट
मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
25 दिसम्बर, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । मेला ग्राउंड, ग्वालियर
मुख्य आकर्षण
₹2 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों का भूमिपूजन, भूमि आबंटन और एलओआई
₹5000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण
अटल जी के जीवन एवं औद्योगिक नवाचार तथा सफल उद्योगों पर प्रदर्शनी
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025
विकास और सेवा के 2 वर्ष
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11172/25
invest.mp.gov.in

भारत उदय के दृष्टा और सुशासन के प्रवर्तक

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

मां भारती के लिए सर्वस्व अर्पण करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, राष्ट्रपुरुष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। अटलजी नवचेतन और नवसृजन के स्वप्नदृष्टा, भारतीय राजनीति के ऐसे महापुरुष थे जिनका जीवन और चिंतन देश की आत्मा से जुड़ा था। वे सबके प्रिय थे, सबके अपने थे और जन-जन के हृदय में बसने वाले अजातशत्रु राजनेता थे।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक साधारण कार्यकर्ता से आरंभ होकर राष्ट्रधर्म के संपादक, भारतीय जनसंघ के मजबूत आधार और भारतीय जनता पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचाने वाली एक अनुपम और प्रेरक यात्रा रही है। वे राजनीति को व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण का माध्यम मानते थे। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन से समर्पित कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियां तैयार हुईं, जिनके लिए सेवा, त्याग और राष्ट्रहित जीवन का लक्ष्य बन गए।

अटल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे श्रेष्ठ कवि, सफल पत्रकार, दूरदृष्टा विचारक तथा चिंतक थे, जिन्होंने भविष्य के भारत का स्वप्न देखा और उसे साकार करने का मार्ग प्रशस्त किया। मुझे बताते हुए खुशी है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में श्रद्धेय अटलजी के स्वप्न को आकार दिया जा रहा है। देश की बहुआयामी प्रगति, समृद्धि और विकास के परिणाम धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक और गौरवशाली तथ्य की ओर संकेत करना चाहूंगा कि विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत अग्रसर है। यह ऐसी उपलब्धि है कि वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए कई देशों की दृष्टि भारत की ओर रहती है। हमारे लिए गर्व की बात है कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। 25 दिसंबर को श्रद्धेय अटलजी की जन्म जयंती के अवसर पर ग्वालियर में भव्य मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निवेश और नवाचार की नई दिशाएं तय होंगी। प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। सड़क, संचार, आधारभूत संरचना, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक–हर क्षेत्र में उन्होंने मजबूत नींव रखी। जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, वहीं सर्वशिक्षा अभियान से शिक्षा को हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र तक पहुंचाया। पोखरण में भारत की सामरिक शक्ति को सुदृढ़ करने से लेकर स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के माध्यम से देश को जोड़ने का संकल्प, निर्णय और संकल्प शक्ति का परिचय दिया।

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां नदियों को जोड़ने के महाअभियान के तहत दो परियोजनाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। पार्वती-कालीसिंध-चंबल और केन-बेतवा लिंक परियोजनाओं के माध्यम से हमारी नदियां जुड़ने जा रही हैं। इन परियोजनाओं से जल संकट वाले क्षेत्रों में नई आशा जगेगी और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अटलजी विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहते थे। इसी दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को छोटे शहरों और अंचलों तक पहुंचाया गया है। इससे पलायन रुका है और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है। अटलजी के शासनकाल में शुरू हुई दिल्ली मेट्रो आज विश्वस्तरीय अधोसंरचना के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह सब बताता है कि अब हम भोपाल में भी मेट्रो का संचालन करने जा रहे हैं। सुशासन के प्रवर्तक अटलजी के लिए सुशासन का अर्थ सरल, पारदर्शी और संवेदनशील व्यवस्था से था। उन्होंने स्थिरता और सुशासन का स्वर्णिम उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सुशासन की वही परंपरा आगे बढ़ रही है। सेवा, संकल्प और समर्पण की नीति, जनसरोकारों तक योजनाओं को पहुंचाना और डिजिटल माध्यमों से सेवाओं की सरलता–यह सब उसी विचार का विस्तार है।

अटल जी की 101वीं जयंती पर हम यह संकल्प लें कि उनके विचारों को अपने आचरण और नीतियों में उतारें। व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण तक उनकी कल्पना आज भी प्रासंगिक है। सच्चा नेतृत्व वही है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करे। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और अटल जी की प्रेरणा के साथ, समृद्धि, विकास और खुशहाली का नया अध्याय रचने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका चिंतन, विचार और सपना नए विकसित भारत निर्माण के लिए सदैव प्रेरक रहेगा। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से आह्वान करता हूं कि आइए, हम सब मिलकर श्रद्धेय अटलजी के स्वप्न अनुरूप सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

‘आदरणीय अटल जी की जन्म-जयंती हम सबके लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर है। उनका आचरण, शालीनता, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि श्रेष्ठता पद से नहीं, आचरण से स्थापित होती है और वही समाज को दिशा देती है।’

अटलजी की जयंती पर पीएम का संदेश

विचार जो अटल थे, संकल्प जो मोदी जी ने साकार किए

हेमन्त खण्डेलवाल
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश भाजपा

25 दिसंबर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की वैचारिक यात्रा का स्मरण दिवस है। यह वह दिन है, जब राष्ट्र अटल बिहारी वाजपेयी जी जैसे युगद्रष्टा नेता की जन्मजयंती मनाता है। उनका जन्मशताब्दी वर्ष हमें उनके विचारों, संकल्पों और सपनों को और गहराई से आत्मसात करने का अवसर देता है। अटल जी का व्यक्तित्व विचार और संवेदना का दुर्लभ संगम था। वे दृढ़ राष्ट्रवादी थे, किंतु संवाद और सहमति के पक्षधर भी। सत्ता में रहते हुए भी उनकी भाषा में मर्यादा और व्यवहार में विनम्रता रही। कविता उनकी आत्मा थी और राष्ट्रसेवा उनका जीवन-संकल्प। यही कारण है कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गरिमा के प्रतीक के रूप में स्मरण किए जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने सुशासन को व्यवहार में उतारा। पोखरण परमाणु परीक्षणों से भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता स्थापित हुई, तो कारगिल जैसे कठिन समय में उन्होंने पूरे देश को एकजुट नेतृत्व दिया। स्वर्णिम चतुर्भुज, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और दूरसंचार क्षेत्र में किए गए सुधार-ये सभी उस विकसित भारत की आधारशिला बने, जिसकी दूरदृष्टि अटल जी ने वर्षों पहले देख ली थी। अटल जी का मध्यप्रदेश से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, ऐतिहासिक और भावनात्मक भी था। ग्वालियर को कर्मभूमि बनाकर उन्होंने इस प्रदेश से आत्मीय संबंध स्थापित किया। ग्वालियर की जनता ने उन्हें लोकसभा में भेजा, तब यह केवल एक चुनावी विजय नहीं थी, बल्कि कठिन समय में दिया गया वह विश्वास था जिसने अटल जी को राष्ट्रीय नेतृत्व की नई ऊर्जा प्रदान की। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मभूमि ग्वालियर को यह भी गौरव प्राप्त है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित ‘एकात्म मानवदर्शन’ की वैचारिक धारा को यहीं प्रथम स्वर मिला। अटल जी की विचारशील राजनीति और एकात्म मानवदर्शन की यह संगति ग्वालियर को भारतीय लोकतंत्र की वैचारिक चेतना का विशेष केंद्र बनाती है।

अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर ग्वालियर की धरती का पुनः राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनना कोई संयोग नहीं, बल्कि वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। 25 दिसंबर को माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का ग्वालियर आगमन और ‘अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट-2025’ जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी सहभागिता, अटल जी की विकास-दृष्टि को वर्तमान भारत से जोड़ने वाला सशक्त संदेश है। जिस ग्वालियर ने अटल जी को राष्ट्रनेतृत्व की नई दिशा दी थी, वही ग्वालियर आज उनके विचारों के अनुरूप विकास,सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के नए अध्याय का साक्षी बन रहा है। अटल जी का सपना था-एक ऐसा भारत जो मजबूत भी हो और संवेदनशील भी; जो विकास करे, पर मूल्यों से विमुख न हो; जो आत्मनिर्भर बने, पर विश्व के साथ संवाद बनाए रखे। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ‘विकसित भारत 2047’ की दिशा में आगे बढ़ता राष्ट्र उसी अटल दृष्टि का आधुनिक और सशक्त विस्तार है। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मजबूत आधारभूत संरचना और वैश्विक मंच पर भारत की निर्णायक भूमिका ये सभी अटल जी के स्वप्न को साकार करते हुए दिखाई देते हैं।

अटल जी के विचारों की दृढ़ता को यदि किसी ने निकट से जिया है, तो वह हमारी पीढ़ी है। मुझे स्मरण है वर्ष 1980 का वह समय, जब मैं मात्र 16 वर्ष का था। उसी वर्ष मेरे पिताजी स्वर्गीय विजय खंडेलवाल जी बैतूल जिले के पहले निर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष बने। जनता पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। संख्या बल सीमित था,कार्यकर्ताओं पर दबाव था,सत्ता का आकर्षण त्याग कर हम एक कठिन वैचारिक यात्रा पर निकले थे। उसी दौर की एक स्मृति आज भी मन में ताज़ा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी हमारे घर आए थे,साधारण माहौल, खाने की मेज़ पर बातचीत, कभी हल्की मुस्कान, कभी आत्मीय ठहाका। अटल बिहारी वाजपेयी जी कभी बोझिल नहीं दिखते थे। चुनौतियाँ थीं,लेकिन उनके चेहरे पर निराशा नहीं होती थी। वे बड़े सहज भाव से कहते थे कि आज हम कम ज़रूर हैं, पर हमारा भरोसा मजबूत है,और यही भरोसा आगे चलकर ताक़त बनेगा। उनका विश्वास यही था कि यह रास्ता भले कठिन हो, पर सही है-क्योंकि यह सत्ता का नहीं, राष्ट्रसेवा का मार्ग है। उनकी वही सहजता, आत्मबल और भविष्य पर अडिग भरोसा हम जैसे युवाओं के लिए उस समय सबसे बड़ा संबल बन गया। आज पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो लगता है कि अटल जी की वही अडिग दृष्टि आज यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण सिद्धि को प्राप्त हुई है। भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं, बल्कि विचार की विजय है।

अटल स्मृति वर्ष हम सभी के लिए अवसर है अपने सार्वजनिक जीवन,सामाजिक आचरण,और राष्ट्रीय कर्तव्यों में उन मूल्यों को अपनाने का ,जिनका प्रतिनिधित्व अटल जी करते थे। उनके विचारो को स्मरण में नहीं आचरण में उतारना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राष्ट्र सेवा और सुशासन के युग पुरुष

हितानंद शर्मा
प्रदेश संगठन महामंत्री, भाजपा

भारत ने करवट ले ली है। देश अब अतीत की कमियों को दूर कर स्वाकभिमान और स्वोवलंबन के साथ ‘विकसित भारत’ के संकल्पि को पूर्ण करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्पर के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की विरासत को और आगे ले जा रहे हैं।

भारतीय लोकतंत्र के लिए 25 दिसंबर एक जननायक की जन्मतिथि मात्र नहीं है। यह उस विचार, संस्कार और राजनीतिक परंपरा का स्मरण दिवस है, जिसने सत्ता को सेवा, राजनीति को मर्यादा और राष्ट्रनीति को नैतिक बल प्रदान किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर जनसंघ और फिर भाजपा की उनकी राजनैतिक यात्रा सर्वसमावेशी व्यैक्तित्व की प्रतीक रही है। यही कारण है कि विश्व ने उन्हें अजातशत्रु के रूप में जाना। अटल जी का जन्मदिवस आज अटल स्मृति वर्ष के रूप में मना जा रहा है। यह इस बात का संकेत है कि भारत केवल व्यक्तियों को नहीं बल्कि उनके विचारों और मूल्यों का भी स्मरण करता है।

25 दिसम्बहर 1924 को ग्वालियर में जन्में अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक फिर जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से राष्ट्र सेवा करते हुए एक प्रकाशवान नक्षत्र की तरह भारतीय लोकतंत्र में प्रेरणा की तरह स्थापित हो गए। अटल जी को भाजपा का प्रथम अध्यक्ष होने का गौरव भी प्राप्त् है। मुंबई अधिवेशन में दिया गया उनका वह भाषण प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मानो संकल्प और संबल बन गया जिसमें उन्होंने कहा था - अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। और उनकी वाणी सत्य हुई, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सूर्य अपनी छंटा बिखेर रहा है, कमल खिल रहा है और अंधेरा छंट चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक परंपरा से आए थे। उन्होंने राजनीति में रहते हुए विचारधारा को समावेशी राष्ट्रीयता का स्वरूप दिया। वे जानते थे कि राष्ट्रनिर्माण के लिए संवाद, विश्वास और सहभागिता आवश्यक हैं। उनकी राजनीति में राष्ट्र सर्वोपरि था और राष्ट्र का अर्थ केवल सीमाएँ नहीं बल्कि जनता, संस्कृति और मानवीय संवेदना भी थी। यही कारण है कि वे दृढ़ निर्णय लेने वाले नेता थे और करुणा से भरे कवि भी थे। प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल आज के भारत के विकास की नींव का कालखंड माना जाता है। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ने देश को भौगोलिक रूप से जोड़ा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गाँवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, किसान फसल बीमा योजना ने किसानों को संबल प्रदान किया, दूरसंचार क्रांति ने भारत को डिजिटल भविष्य की ओर अग्रसर किया। अटलजी जब 1996 में देश की पहली गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री बने तो भारत की जनता ने महसूस किया कि लोकतंत्र की अवधारणा के अनुसार जनता के द्वारा, जनता के लिए, जनता की सरकार सही अर्थों में क्याक होती है। जनता से जाना कि दीनदयाल जी और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की वैचारिक विरासत का सुशासन सही अर्थों में क्या। होता है। अटलजी गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री थे। इससे पूर्व राजनीतिक दलों के गठबंधन इसलिए सफल नहीं हो पाते थे क्यों कि आशंकाएं, अविश्वास, महत्वांकांक्षाएं और संवाद की कमी उन्हें मजबूत नहीं होने देती थी। अटल स्मृति वर्ष और 25 दिसंबर हमें यह विचार करने का अवसर देते हैं कि हम अटल जी के बताए मार्ग पर कितनी दृढ़ता से चलते हुए उनसे प्रेरणा प्राप्तृ कर रहे हैं। उनका जीवन यह सिखाता है कि लोकतात्रिक परंपराओं, राष्ट्री यता, व्यरक्तिगत जीवन में शुचिता, सकारात्माकता और धैर्य के साथ राष्ट्रन व समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन किस प्रकार करना है।

अटल जी से मेरे पारिवारिक और आत्मीय रिश्ते रहे

सुरेश पचौरी
पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ भाजपा नेता

25 दिसम्बर को वंदनीय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन है। उनका नाम ज़ेहन में आते ही उनके प्रति लोगों का मन श्रद्धा से भर जाता है। अटल जी राजनैतिक क्षेत्र में नैतिकता, शुचिता, गरिमा और मर्यादा के पक्षधर थे। जनसंघ से चुनकर संसद पहुंचने वाले वे सबसे कम उम्र के युवा सांसद थे। अपनी प्रतिभा, शालीनता तथा वक्तृत्व शैली से उन्होंने संसद में अमिट छाप छोड़ी।

अटल जी से मेरे पारिवारिक आत्मीय रिश्ते रहे हैं। उनके दोनों भतीजे इंजीनियर श्री श्याम बिहारी वाजपेयी तथा डॉ. रसिक बिहारी वाजपेयी मेरे अभिन्न मित्र हैं। जब मैं राजनीति में नहीं आया था, तब अटल जी से उनके भतीजों के साथ भोपाल में अक्सर मिला करता था। सन् 1984 में जब मैं राज्यसभा में पहुंचा, तो मुझे अटल जी का आत्मीय स्नेह और मार्गदर्शन मिला। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब मैं राज्यसभा में विपक्ष में डिप्टी चीफ व्हिप था। विपक्ष में रहते हुए मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी पर व उनकी सरकार पर यदा-कदा कटाक्ष व प्रहार करता था, उन्होंने इस पर कभी बुरा नहीं माना बल्कि सहज भाव से उन्होंने मुझे सीख दी कि मुखरता के साथ और बोला करो, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम भी इंदिरा जी के खिलाफ मुखरता से बोला करते थे।

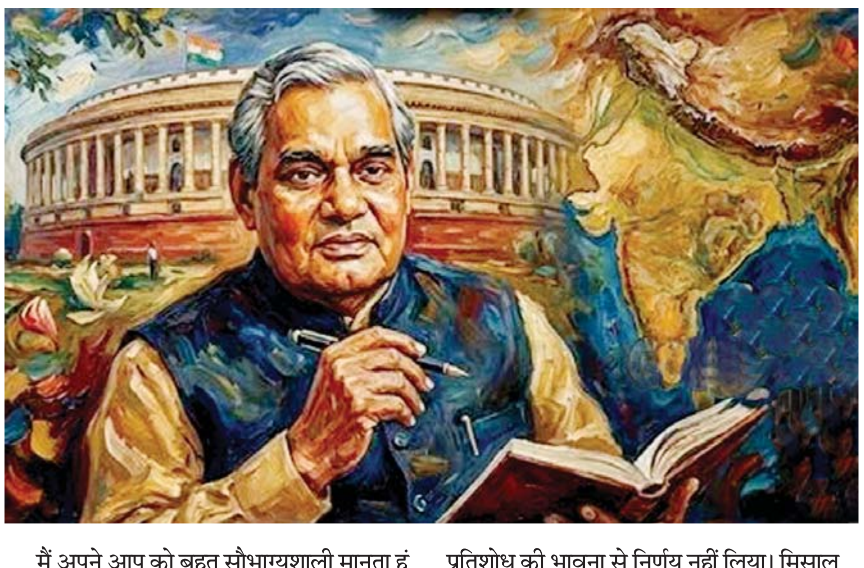

मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे संसद में स्वनाम धन्य अटल बिहारी वाजपेयी के साथ काम करने का मौका मिला। मैंने उन्हें नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी देखा-सुना और प्रधानमंत्री के रूप में भी। इन पंक्तियों को लिखते समय मुझे आज भी ऐसी अनुभूति हो रही है कि मानों अटल जी संसद में लोकहित से जुड़े किसी मुद्दे पर बोल रहे हैं और समूचा सदन उन्हें तल्लीनता से सुन रहा है। सत्ता में रहते हुए अटल जी ने हमेशा विशाल हृदय का परिचय दिया। उन्होंने कभी प्रतिशोध की भावना से निर्णय नहीं लिया। मिसाल के तौर पर जब उनके प्रधानमंत्रित्व काल में एस.पी.जी. (संशोधन) विधेयक 2003 आया, जिसके अनुसार पूर्व प्रधानमंत्रियों के बच्चों को एस.पी.जी. न देने की बात कही गई थी, तब मैंने एक संशोधन दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री के बच्चों को थ्रेट परसेप्शन के आधार पर एस.पी.जी. की सुविधा मिलनी चाहिए। अटल जी की सरकार के गृह राज्य मंत्री श्री आई. डी. स्वामी ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी जी के निर्देश पर इस संशोधन की मंशा को स्वीकार किया। यह सब 27/02/2003 के राज्यसभा के रिकॉर्ड में मौजूद है। परिणामस्वरूप एस.पी.जी. (संशोधन) विधेयक 2003 पारित होने के बाद श्री राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी को 2003 में एस.पी.जी. मिली। जब अटल जी का देवलोकगमन हुआ था, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था, वहां मैंने कहा था कि ''अटल जी के जाने के बाद राष्ट्र ने अपना सच्चा सपूत खो दिया है और मैंने अपना अभिभावक खो दिया है।''

अटल जी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि था: अटल जी के लिए राष्ट्र ही सर्वोपरि था। ''भारत प्रथम'' यह मंत्र वाक्य उनके जीवन का ध्येय था। उनका जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित था। सच्चे अर्थों में वे ‘उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्’ के प्रतिपालक थे। देश की अस्मिता व गरिमा का भाव उनके रग-रग में समाहित था। हर परिस्थिति में, चाहे वह विपरीत भी क्यों न हो, ओजस्विता और तेजस्विता उनके मुख मंडल पर झलकती थी। पोखरण देश के लिए जरूरी था, तो उन्होंने प्रतिबंधों और आलोचनाओं की कोई चिन्ता नहीं की। देश में जब सुपर कंप्यूटर नहीं मिले, क्रायोजेनिक इंजन नहीं मिले तो उन्होंने इसकी भी परवाह नहीं की। बल्कि उन्होंने तय किया कि हम इसे खुद भारत में बनाएँगे। वैज्ञानिक कुशलता के बल पर असंभव दिखने वाले कार्य उनके कुशल नेतृत्व में संभव हो सके। वास्तव में एक ताकत उनके भीतर काम करती थी, वह थी ''देश प्रथम'' की जिद। काल के कपाल पर लिखने और मिटाने की ताकत, हिम्मत और चुनौतियों के बादलों में विजय का सूरज उगाने का चमत्कार अटल जी के सीने में था, क्योंकि वह सीना देश प्रथम के लिए धड़कता था। इसलिए हार और जीत उनके मन पर असर नहीं करती थी। सरकार बनी तो भी, सरकार एक वोट से गिरा दी गई तो भी। उनके स्वरों में पराजय को भी विजय के ऐसे गगनभेदी विश्वास में बदलने की ताकत थी कि जीत का भ्रम पाला हुआ व्यक्ति खुद हार मान बैठे।

अटल जी देश के गरीब, वंचित, शोषित के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए जीवन भर प्रयास करते रहे। वे कहते थे ''गरीबी व दरिद्रता गरिमा का विषय नहीं, बल्कि यह मनुष्य की विवशता है और विवशता का नाम संतोष नहीं हो सकता।'' करोड़ों देशवासियों को इस विवशता से बाहर निकालने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया। आज भारत जिस टेक्नोलॉजी के शिखर पर खड़ा है, उसकी बुनियाद अटल जी ने ही रखी थी। वे स्वप्नदृष्टा थे, साथी ही कर्म वीर भी थे। उन्होंने अनेक बार विदेशों की यात्राएँ की, जहाँ-जहाँ भी गए, स्थायी मित्र बनाए। अटल जी की हर धड़कन में, उनके रोम-रोम में ‘राष्ट्र प्रथम-राष्ट्र सर्वोपरि’ की भावना रची-बसी थी। ऐसे शलाका पुरुष भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस पर उन्हें कोटिशः नमन।

खुशहाली की राह पर खेती
श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री
प्राकृतिक खेती के नए सोपान
कृषक सम्मेलन
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
प्राकृतिक, जैविक खेती क्षेत्र में विस्तार, गौ-पालन एवं संरक्षण पर
संवाद तथा हितग्राहियों को लाभ वितरण
मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
25 दिसम्बर, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे
बसामन मामा गौ-वंश वन्य विहार, (पुर्वा) रीवा
सम्मेलन के माध्यम से सशक्त होंगे हितधारक
प्रगतिशील कृषक एवं कृषि उत्पादक संगठन के सदस्य
कृषि सखी, कृषि दीदी एवं कृषक मित्र
पशुपालक एवं डेयरी संचालक
कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि शोध छात्र
मत्स्य पालक कृषक
स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदी
खाद्य प्रसंस्करण के युवा उद्यमी
क्षेत्रीय जनमानस
विकास और सेवा के 2 वर्ष
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11173/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

न्यूज विंडो

हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : श्रीधर

अनूपपुर। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य परम आदरणीय 1008 स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने वर्तमान सरकार की सनातनी दिखावे पर दो टूक शब्दों में आलोचना करते हुए कहा है कि धर्म के नाम पर हिंदुओं

को लगातार अंधेरे में रखने का कार्य किया जा रहा है और हिंदुओं की आस्था और उनकी परंपरा के साथ निरंतर खिलवाड़ करने का कार्य वर्तमान कुर्सीधारियों के द्वारा किया जा रहा है जो कि हिंदुओं को भ्रमित करने की दिशा में किसी साजिश की ओर इशारा करती प्रतीत होती है। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने बताया कि स्वामी जी ने निरंतर हिन्दुओं और गौ माता के संरक्षण के लिए प्रयास किया है लेकिन वर्तमान सरकार की सोच हिन्दुओं की आस्था के साथ निरंतर कुठाराघात करने की मंशा से ओतप्रोत प्रतीत होती है। शर्मा ने बताया कि स्वामी जी ने धर्म ध्वज के आरोहण पर वर्तमान सत्ता धारियों के दिखावे की पोल खोलकर हिन्दुओं को जागने का सन्देश देने का प्रयास किया है और यही वो समय है जब हिन्दुओं को जल्द से जल्द जागरूक होना का परिचय देते हुए अपनी पौराणिक परंपराओं से किए जा रहे खिलवाड़ का खुल कर विरोध किया जाना चाहिए।

ढाई साल के तेंदुए की संदिग्ध मौत

तेन्दूखेड़ा। तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के अंतर्गत तेजगढ़ वन परिक्षेत्र की वंशीपुर बीट में नदी किनारे जंगल में एक तेंदुए का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना जैसे ही वरिष्ठ अधिकारियों व उप वनमंडल अधिकारी वन परिक्षेत्र अधिकारी को लगी तो वन अमला मौके पर पहुंचा और जांच-पड़ताल शुरू की। तेंदुए की उम्र करीब ढाई साल बताई जा रही है। तेंदुए की मौत प्राकृतिक तौर पर होना बताया जा रहा है। उप वनमंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने बताया कि एनटीसीए(राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) गाइडलाइन के अनुसार तेंदुएं के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के करणों का खुलासा हो सकेगा।

रक्तदान एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

मंडीदीप। मंडीदीप प्लेजर ग्रुप एवं स्व. जगदीश वेलफेयर सोसायटी द्वारा दसवें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान एवं नेत्र परीक्षण शिविर नगर पालिका, मंगल बाजार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से लगभग 100 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया और 135 से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष बद्री सिंह चौहान एवं जीवन चौकसे ने विधिवत गणेश पूजन कर किया। मुख्य अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। एकत्रित रक्त कई जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने का कार्य करेगा।

प्रबंधन इकाई की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम। जिला पंचायत के सीईओ हिमांशु जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई

की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए। स्किल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 6 से 40 वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की पीटीओटी किट से जांच, पॉजिटिव रोगियों को फोलिक एसिड उपचार, एचपीएलसी जांच, जेनेटिक काउंसलिंग तथा सिकल सेल कार्ड जारी करने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम में 100 प्रतिशत संभावित मरीजों की स्पूटम जांच तथा पॉजिटिव केसों का पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सीईओ जैन ने पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्धता और वितरण की निगरानी के निर्देश दिए।

अमले ने कब्जा हटाकर किया सामान जब्त

सिरोंज। नगर पालिका प्रबंधन ने अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाकर चुनिंदा इलाकों में कार्रवाई की। जानकारी लगते ही लिंक रोड के सड़क के कब्जेदार सक्रिय हो गए और उन्होंने सड़क पर रखा अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। अनेक दुकानदारों ने अपना सामान नहीं हटाया तो अमले ने खुद उनका सामान हटाकर उसे जब्त कर लिया। सड़क किनारे लगा अपना बोर्ड हटा तो एक अस्पताल संचालक ने विरोध भी जताया लेकिन अमले ने अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए उनके बोर्ड को जब्त कर लिया। इसी चाय के दुकान के संचालक सड़क पर कुर्सियां और वाटर कूलर रखकर दुकानदारी कर रहे थे। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने पहले उन्हें समझाया और फिर उनका सामान जब्त कर सख्त हिदायत भी दी। नपा की यह कार्रवाई मंगल भवन इलाके तक चली।

अव्यवस्थाओं को लेकर दिया धरना

गंजबासौदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा रजोदा खेल स्टेडियम में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाओं एवं खिलाड़ियों को हो रही समस्याओं के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। परिषद के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय खिलाड़ियों ने एकजुट होकर स्टेडियम को शीघ्र पुनः संचालित करने की मांग उठाई। जिला संयोजक शुभम सिंह ठाकुर ने बताया कि लगभग 1 करोड़ 69 लाख की लागत से निर्मित यह स्टेडियम, लोकार्पण के मात्र 11 महीनों में ही बदहाली का शिकार हो चुका है। स्टेडियम में न तो नियमित रख रखाव किया जा रहा है और न ही स्थायी चौकीदार की व्यवस्था है जिसके चलते असामाजिक तत्व लगातार स्टेडियम को नुकसान पहुँचा रहे हैं। परिणामस्वरूप लगभग 200 खिलाड़ी सड़क अथवा अन्य असुरक्षित स्थानों पर अभ्यास करने को मजबूर हैं। विद्यार्थी परिषद ने धरना स्थल पर ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में स्टेडियम को तत्काल पुनः संचालित करने, स्थायी चौकीदार की नियुक्ति, जर्जर संरचनाओं की मरम्मत तथा नियमित रख-रखाव सुनिश्चित करने की मांग की गई।

14 लाख रुपए लूटकर हो गए थे फरार, पुलिस ने निकाला जुलूस

मुनीम से लूट करने वाले दो आरोपियों को काठमांडू से पकड़ा, 10 लाख रुपए जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर में मंडी व्यापारी के मुनीम से लूट करने वाले फरार दो आरोपियों को पुलिस ने नेपाल के काठमांडू से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों को सागर लेकर आई है और उनका जुलूस निकाला। इनके कब्जे से लूटे गए 14 लाख रुपए में से 10 लाख 40 हजार रुपए बरामद किए हैं, वहीं घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की है। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी धर्मेंद्र ठाकुर 38 वर्ष निवासी ग्राम सेमराकलां और कुलदीप दांगी 23 वर्ष निवासी पिपरिया बिलहरा पुलिस के शिकंजे से बचने के लिए देश की सीमा लांघ नेपाल भाग गए थे।

पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी पहले राहतगढ़ पहुंचे, यहां रुपए का बंटवारा कर बीना-खुरई होते हुए बस से भोपाल और फिर ट्रेन से दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचने के बाद वह सभी देहरादून के रास्ते नेपाल पहुंचे। जहां वह एक धर्मशाला में रुके थे। शातिर अपराधियों ने पुलिस से बचने के लिए अपने फोन बंद कर लिए थे। इसी बीच वह एक चूक कर बैठे धर्मेंद्र ने भोपाल में एक व्यक्ति से फोन लेकर परिवार के सदस्य को फोन लगाया था। यहीं से पुलिस को आरोपियों की लोकेशन का पता चला। जानकारी लगते ही पुलिस ने तत्काल आरोपियों का पीछा किया। पुलिस ने पहचान करने के लिए भगवानगंज स्थित बैंक से लेकर वारदात स्थल तक के कैमरे देखे। इसके बाद भोपाल में कैमरों की तलाशी ली गई, जिससे पहचान की पुष्टि हुई।

70 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग तीन टीमों को भोपाल, दिल्ली और नेपाल के काठमांडू के लिए रवाना किया। पूरी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 70 से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगाली। नेपाल पुलिस से समन्वय स्थापित करने के बाद सीमा पार कार्रवाई को अंजाम दिया गया। लोकेशन के आधार पर मुख्य आरोपी धर्मेंद्र और साथी कुलदीप को गिरफ्तार किया। आरोपी धर्मेंद्र ने पूरी प्लानिंग की थी और साथियों को तक नहीं बताया था। उसने पहले हफ्ते भर तक अकेले ही मुनीम की रैकी की। पूरी योजना बनाने के बाद उसने घटना के दिन साथी भूपेंद्र और कुलदीप सिंह को बुलाया, तीनों ने शराब पार्टी की। इसके बाद दोनों को भरोसे में लेकर लूट का प्लान बताया और वारदात को अंजाम दिया था।

हिन्दू सम्मेलन

हिन्दुओं ने भरी हुंकार न बटेंगे, न ही कटेंगे

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

जिले के गुदावल गांव स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक मां कंकाली माता मंदिर प्रांगण में बुधवार को एक विशाल एवं भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में आसपास के लगभग 55 से 60 गांवों से 20 हजार से अधिक श्रद्धालु

एवं हिन्दू समाज के लोग एकत्रित हुए, जो क्षेत्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा हिन्दू आयोजन माना जा रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संगठित हिन्दू समाज की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि देश में बड़े पैमाने पर हिन्दुओं को जातियों में बांटने की साजिश चल रही है। यदि हिन्दू जात-पात में बंट जाएंगे तो संगठित नहीं रह पाएंगे और भारत विरोधी ताकतें मजबूत हो जाएंगी। इसलिए हिन्दुओं को जातिगत भेदभाव मिटाते हुए एकजुट होना चाहिए तथा जागरूकता के साथ राष्ट्र एवं हिन्दू विरोधी शक्तियों को पहचानकर उनके मंसूबों को नाकाम करना चाहिए। सकल हिन्दू समाज के सामूहिक प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन को लेकर पूरे क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया था। गांव-गांव में प्रभात फेरी निकाली गई, भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, वाहन रैलियां निकाली गईं तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जुटाया गया। विशेष रूप से माँ कंकाली माता मंदिर से 51 कलशों का विधिवत पूजन कर पीले चावल के साथ घर-घर निमंत्रण दिया गया, जिससे लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। सम्मेलन की संपर्क टोली के सदस्य संजय मीना (उमरावगंज) ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र का सबसे बड़ा हिन्दू सम्मेलन साबित हुआ है। सभी समाजों में विशेष उत्साह और सहभागिता के कारण आयोजन स्थल पर 20 हजार से अधिक लोग उपस्थित हुए।

जीएसटी चोरी का मामला उजागर

परचून सामान की आड़ में चल रहा था तंबाकू और सुपारी का अवैध परिवहन

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

नगर में परचून सामान की आड़ में तंबाकू और सुपारी का अवैध परिवहन कर जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। ग्रामीण पुलिस की सक्रियता से यह मामला पकड़ा गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट व्यवसायी ने 2 लाख 45 हजार 550 रुपए की पेनल्टी राशि सरेंडर की है। यह पहली

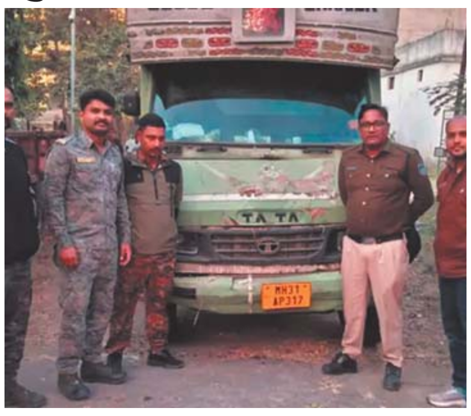

बार है जब पुलिस की ओर से पकड़े गए वाहन से जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। दरअसल ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल अपनी टीम के साथ वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने संदिग्ध वाहन को रोका। कागजातों की जांच के बाद वाहन में लदे सामान पर संदेह हुआ। गहन जांच करने पर पता चला कि किराना सामान के बीच छिपाकर बिना जीएसटी के तंबाकू और सुपारी का परिवहन किया जा रहा था। ग्रामीण थाना प्रभारी ने तत्काल इसकी लिखित सूचना बालाघाट जीएसटी विभाग को दी। जिस पर विभाग ने आगे की कार्रवाई की है।

एएनएम के पति का बीएमओ पर आरोप-पत्नी को साथ चलने को बनाते हैं दबाव

पीड़ित पति ने की अस्पताल में फांसी लगाने की कोशिश

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

घटवार उपस्वास्थ्य केन्द्र पर पदस्थ एएनएम पत्नी की ड्युटी शहर में स्थित सिविल अस्पताल में लगाए जाने वाले नाराज पति ने अस्पताल के बाहर फांसी लगाने की कोशिश की। इसके बाद उसने बीएमओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए सिरोंज थाने में आवेदन भी दिया।

एएनएम सुप्रिया केवलरिया की पदस्थापना घटवार उपस्वास्थ्य केन्द्र पर है। बीएमओ नीरज पंथी ने उनकी ड्यूटी टीकाकरण के लिए सिरोंज अस्पताल में लगा दी है। सुप्रिया ने अपने छोटे बच्चों का हवाला देते हुए बीएमओ से मना भी

किया था लेकिन वे नहीं माने। इसी को लेकर सुप्रिया के पति कुलदीप अहिरवार अस्पताल में पहुंच गए और बीएमओ की मनमानी को लेकर जमकर हंगामा किया। इसी दौरान उन्होंने अपना बेल्ट उतारकर वहां लगी रेलिंग पर लटकर फांसी लगाने की कोशिश भी की। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें समझाइश देकर वापस लौटा दिया।

कुलदीप ने थाने में दिए आवेदन में अपनी पीड़ा बताई। उन्होंने बताया कि बीएमओ मेरी पत्नी को अत्यधीक प्रताड़ित कर रहे हैं। वे उसे अपने साथ चलने का दबाव बनाते हैं। नशे की हालत में मेरे घर भी आ चुके हैं। उन्होंने पत्नी को सस्पेंड करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग भी की है। उनकी प्रताड़ना से तंग आकर पत्नी ने अगर गलत कदम उठा लिया तो मेरे दो बच्चों का क्या होगा। एक आवेदन एएनएम सुप्रिया ने भी थाने में दिया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हुई महिला की मौत

कटनी। जिले के विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र में देर शाम एक ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर पलटने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के 6 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, मैहर जिले के ग्राम मनटुलवा निवासी एक ही परिवार के करीब 12 सदस्य ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर एक चौक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। शाम को जब वे वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चोरी चोरा के पास यह दुर्घटना घट गई।

स्थापना दिवस पर बच्चों को बांटे कपड़े

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर खिदमत सप्ताह का शुभारंभ गंज में बच्चों को स्वेटर व मौजे वितरण कर किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया मंच द्वारा सप्ताह भर राष्ट्रसेवा, गौ सेवा, सामाजिक समरसता, शिक्षा,पर्यावरण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जनकल्याण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंच का खिदमत सप्ताह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि खिदमत, सेवा का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और हर नागरिक स्वयं को राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ महसूस करे। कादरी ने बताया मंच का स्पष्ट विश्वास है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता के माध्यम से ही एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। मंच के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता बंधुओं व समाजजनो से अनुरोध है कि वे इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें और सेवा, समरसता एवं राष्ट्रनिर्माण के इस अभियान को सफल बनाएं।

पड़ताल जारी

इंजीनियर ने रेलवे ट्रैक पर कूद जान दी, मिला सुसाइड नोट

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

शहर के देहात थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक माइनिंग इंजीनियर ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नागपुर रोड स्थित वर्धमान सिटी के निवासी हेमंत पवार (51) के रूप में हुई है। वे पेशे से इंजीनियर हैं और समाजसेवा में भी एक्टिव थे। हेमंत पवार ने मालगाड़ी के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। घटना से लोग स्तब्ध हैं।

देहात थाना निरीक्षक ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान हेमंत पवार के रूप में की गई। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने अपनी मौत की जिम्मेदारी स्वयं पर ली है और अपने पिता से माफी मांगी है।

नगर में गुस्साए लोगों ने फूंका बांग्लादेश का पुतला

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने जय स्तंभ चौराहे पर बांग्लादेश का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हत्या और वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिंदु समाज के लोगों के घरों में आगजनी, लूटपाट और जिहाद के नाम पर हत्या के विरोध में किया गया। कार्यकर्ता पहले सिद्धेश्वरी माता मंदिर पर एकत्रित हुए। इसके बाद वे हाथ में पुतला लेकर रैली के रूप में जय स्तंभ चौराहा पहुंचे चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का जमकर विरोध किया और पुतले में आग लगा दी। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदु असुरक्षित है और उनकी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से एक हिंदू युवा की निर्मम हत्या का उल्लेख किया जिस पर संपूर्ण विश्व को एकजुट होकर प्रतिकार करना चाहिए। इस घटना से आक्रोशित होकर उन्होंने चौराहे पर पहले जमकर नारेबाजी की, फिर बांग्लादेश के पुतला आग के हवाले कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन करीब आधे घंटे तक चला।

मेट्रो एंकर

धूमधाम से मनाया स्कूल का वार्षिक उत्सव

विद्यार्थियों ने दी मनमोहक नृत्य की प्रस्तुतियां

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

गिरधर पब्लिक स्कूल में वार्षिक महोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री रायसेन डॉ. दीपेंद्र पाल जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शोभा विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति से और अधिक बढ़ गई।

कार्यक्रम में बद्री सिंह चौहान (दादा भाई), पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महेंद्र मैथिल, मंडल अध्यक्ष ग्रामीण पवन श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष शहरी रघुनाथ पाटीदार अध्यक्ष, मनोज पाटीदार उपाध्यक्ष, अरविंद पाटीदार सचिव, नीलेश पाण्डेय प्रबंध संचालक एवं सरिता हजारे विशेष रूप से उपस्थित रहे। वार्षिक महोत्सव के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने

भरपूर सराहा। पूरा सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्साह और उमंग के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अभिभावकों के लिए स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी। अतिथियों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आगामी वर्ष यह कार्यक्रमऔर भी भव्य एवं विस्तृत रूप में आयोजित किया जाएगा। इन्हीं शुभ वचनों के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-BIOTANK-25-29

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:**-वर्क ऑफ आई आर-डीआरडीओ रिटेन्शन टैंक, वर्क ऑफ अंडर स्लंग वाटर टैंक एण्ड वर्क ऑफ बर्थिंग ऑफ एसएस कम्पोनेंट्स एस पर स्कोप ऑफ वर्क एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। **कार्य की लागत**-रु.1,92,62,347.18, **निविदा फॉर्म का मूल्य**-0.00, **धरोहर राशि**-रु.2,46,400.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि**-24 माह, **ऑनलाइन बिडिंग प्रारंभ होने का दिनांक/ ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय**-29.12.2025/ 12.01.2026 को 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय**-12.01.2026 को 15.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेब साइट "www.ireps.gov.in" एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवीपुरा /भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। (हस्ता.)

मुख्य कारखाना प्रबंधक सवीपुरा, निशातपुरा, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

आस्ट्रेलिया एशेज सीरीज: शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में भूचाल

मैकुलम की जगह रवि शास्त्री को कोच बनाने की उठी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इंग्लिश क्रिकेट में बड़े बदलाव की वकालत करते हुए रवि शास्त्री को ब्रेंडन मैकुलम का संभावित उत्तराधिकारी बताया है। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में इंग्लैंड की करारी हार के बाद मैकुलम और उनकी बैजबॉल रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने महज 11 दिनों के भीतर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। तेज और उछालभरी पिचों पर इंग्लैंड का आक्रामक खेल पूरी तरह नाकाम रहा। न बल्लेबाजी में निरंतरता दिखी और न ही गेंदबाजी में दम, जिससे विदेशी धरती पर इंग्लैंड की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।

शास्त्री के रिकॉर्ड से प्रभावित पनेसर– पत्रकार रवि बिष्ट से बातचीत में पनेसर ने कहा कि इंग्लैंड को ऐसे कोच की जरूरत है, जिसे ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में हराने का अनुभव हो। उन्होंने कहा, आपको यह सोचना होगा कि ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका कौन जानता है? मानसिक, शारीरिक और रणनीतिक रूप से उनकी कमजोरी का फायदा कैसे उठाया जाए। मेरे हिसाब से रवि शास्त्री को इंग्लैंड का अगला हेड कोच बनना चाहिए। पनेसर की यह राय रवि शास्त्री के ऑस्ट्रेलिया में शानदार रिकॉर्ड पर आधारित है। शास्त्री के कोच रहते भारत ने 2018-19 और 2020-21 में लगातार दो टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती थीं। इन ऐतिहासिक जीतों ने विदेशी दौरों पर भारतीय टीम की सोच और आत्मविश्वास दोनों को नई दिशा दी।

चौथे टेस्ट से पहले इंग्लैंड की टीम में बदलाव– इसके उलट इंग्लैंड की टीम पर्थ, ब्रिसबेन और एडिलेड में खेले गए तीनों टेस्ट में बेबस नजर आई। बल्लेबाज दबाव में जल्दी ढहते रहे, जबकि गेंदबाज लंबे समय तक प्रभावी नहीं रह पाए, जिसका ऑस्ट्रेलिया ने पूरा फायदा उठाया। इसके बीच इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव किए हैं। जोफ्रा आर्चर पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। वहीं, ऑलराउंडर जैकब बैथल को ओली पोप की जगह अंतिम एकादश में मौका दिया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पहले ही खत्म हो चुकी हैं।

शास्त्री का बतौर कोच रिकॉर्ड शानदार

रवि शास्त्री का कोचिंग रिकॉर्ड पनेसर की बात को और मजबूती देता है। 2017 से 2021 तक भारत के कोच रहते हुए शास्त्री ने 43 टेस्ट में 25 जीत दर्ज कीं। इसके अलावा भारत ने उनके कार्यकाल में 76 वनडे में 51 और 65 टी20 मैचों में 42 जीत हासिल कीं। भले ही आईसीसी ट्रॉफी नहीं मिल पाई, लेकिन शास्त्री को भारत को विदेशी परिस्थितियों में एक मजबूत टीम बनाने का श्रेय जरूर दिया जाता है।

विजय हजारे ट्राफी: विराट-रोहित के ऐतिहासिक शतक,

बीसीसीआई की खराब ब्रॉडकास्ट व्यवस्था पर फूटा फैंस का गुस्सा

दर्शकों को भी स्टेडियम में जाने नहीं थी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार पारियों के बेहद खराब क्वालिटी वाले हाइलाइट्स ने प्रशंसकों को नाखुश कर दिया। अब प्रशंसक सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि ये वीडियो %Nokia 7650 से रिकॉर्ड किए गए सीसीटीवी फुटेज% जैसा लग रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन विराट कोहली और रोहित शर्मा ने लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की, लेकिन बीसीसीआई की ब्रॉडकास्ट सीमाओं के चलते दोनों में से किसी भी मैच का लाइव टेलीकास्ट या स्ट्रीमिंग नहीं हो पाई। हालात और भी निराशाजनक रहे क्योंकि विराट का दिल्ली बनाम आंध्र प्रदेश मुकाबला बंगलूरू में बंद दरवाजों के पीछे खेला गया, जहां दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

विराट कोहली की ऐतिहासिक पारी

बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली ने 12 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए 101 गेंदों पर 131 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और तीन छक्के लगाए। इस दौरान विराट ने दिल्ली के लिए सिर्फ 17वीं लिस्ट ए पारी में 1000 रन पूरे किए और लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 16,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया।

रोहित शर्मा का तूफानी शो

वहीं, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए सिक्किम के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी की। रोहित ने 94 गेंदों में नाबाद 155 रन बनाए, जिसमें 18 चौके और नौ छक्के शामिल रहे। उन्होंने महज 62 गेंदों में अपना 37वां लिस्ट ए शतक पूरा किया और बाद में उसे बड़े शतक में तब्दील किया। मुंबई ने 237 रन का लक्ष्य करीब 20 ओवर शेष रहते ही आठ विकेट से हासिल कर लिया।

ब्रॉडकास्ट न होने से भड़के फैंस– हालांकि, इन दोनों ऐतिहासिक पारियों के बावजूद बीसीसीआई किसी भी मैच का सीधा प्रसारण नहीं करा सका। केवल अहमदाबाद और राजकोट में खेले जा रहे मुकाबलों को ही टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाया गया। फैंस की उत्सुकता को देखते हुए बोर्ड ने अपने 'BCCI Domestic' °क्स हैंडल पर दोनों शतकों के हाइलाइट्स जारी किए, लेकिन बेहद खराब वीडियो क्वालिटी ने फैंस को और भड़का दिया।

वनडे में रहा दबदबा

वनडे क्रिकेट में साल के अंत तक रोहित और कोहली जोड़ी का दबदबा बना रहा। विराट कोहली ने 13 मैचों में 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल रहे, जबकि रोहित शर्मा ने 14 पारियों में 650 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 100 से ऊपर रहा। मैदान पर दोनों दिग्गजों ने इतिहास रचा, लेकिन बीसीसीआई की कमजोर ब्रॉडकास्ट व्यवस्था ने फैंस की खुशी में खलल डाल दिया।

बुमराह-पंत के बौना कहने पर आई बावुमा की प्रतिक्रिया

मैदान पर कही बातें वहीं रह जाती हैं, लेकिन आप उन्हें भूलते नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत दौरे पर हुए अप्रिय वाकये पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने उनसे आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर माफी मांगी थी। साथ ही बावुमा ने यह भी माना कि प्रोटियाज के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड को अपने बयान में शब्दों का चयन ज्यादा सावधानी से करना चाहिए था।

बुमराह और पंत ने मांगी बावुमा से माफी– दक्षिण अफ्रीका की टीम दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई थी। इस दौरान मेहमानों ने टेस्ट में 0-2 से टीम इंडिया को हराया था, जिसका बदला मेजबानों ने वनडे सीरीज 2-1 और टी20 सीरीज 3-1 से जीतकर लिया।अब बावुमा ने एसपीएनक्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में इस दौरे के दौरान हुई दो कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर खुलकर बात की। दरअसल, कोलकाता टेस्ट के दौरान बुमराह और पंत को बावुमा के लिए बौना शब्द का इस्तेमाल करते सुना गया था जिसे उनके कद पर तंज के रूप में देखा गया। इस पर बावुमा ने कहा, मेरी तरफ से एक घटना हुई थी, जहां मेरे बारे में उनकी भाषा में कुछ कहा गया। आखिरकार दो सीनियर खिलाड़ी ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह मेरे पास आए और माफी मांगी।

उन्होंने आगे बताया कि कोलकाता टेस्ट के दौरान जब उन्हें बौना कहा गया था, उस वक्त उन्हें मैदान पर यह सुनाई नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, जब माफी मांगी गई, तब मैं यह नहीं जानता था कि बात किस बारे में है। मुझे अपनी मीडिया मैनेजर से पूछना पड़ा कि मामला क्या था। उन्होंने यह भी कहा, मैदान पर कही गई बातें वहीं रह जाती हैं, लेकिन आप उन्हें भूलते नहीं हैं। आप उन्हें प्रेरणा और ऊर्जा के तौर पर इस्तेमाल करते हैं, हालांकि कोई निजी रंजिश नहीं रहती।

कॉनराड की ग्रोवेल टिप्पणी पर क्या बोले बावुमा?

इसके बाद बावुमा ने गुवाहाटी टेस्ट के दौरान कोच शुक्री कॉनराड के ग्रोवेल (घुटने टेकने) वाले बयान पर भी अपनी राय रखी। कॉनराड के इस बयान की तुलना अतीत में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान टोनी ग्रेग की नस्लीय संदर्भ वाले बयान से की गई थी। बाद में कॉनराड ने इस पर माफी भी मांगी। बावुमा ने कहा, शुक्री के ग्रोवेल वाले बयान को लेकर भी काफी चर्चा हुई। वहां की मीडिया ने मुझ पर दबाव डाला कि मैं इस पर सफाई दूं। मुझे लगा कि शुक्री ही सही व्यक्ति हैं जो इसका संदर्भ समझा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, पहली बार जब मैंने यह सुना, तो यह कड़वा लगा। लेकिन यह भी दिखाता है कि टेस्ट सीरीज कितनी कठिन और प्रतिस्पर्धी थी। बाद में शुक्री ने कहा कि वे कोई और बेहतर शब्द चुन सकते थे, और मैं उनसे सहमत हूं। भारत में खेलने के अनुभव पर बात करते हुए बावुमा ने कहा कि वह पहले से जानते थे कि यह दौरा मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने आगे कहा, आप खुलकर मानना नहीं चाहते, लेकिन अतीत के कुछ जख्म अब भी मौजूद रहते हैं। आप बस यही चाहते हैं कि वे दोबारा न खुलें।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रश्मिका मंदाना की मायसा की पहली झलक आई सामने

खतरनाक और दमदार अवतार में आ रही नजर

रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म मायसा की पहली झलक सामने आ गई है। इसे भारत की पहली ऐसी पैन-इंडिया फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें एक महिला स्टार लीड रोल कर रही है। जबरदस्त एक्शन और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म में रश्मिका एकदम अलग अवतार में नजर आएंगी। एक्ट्रेस पहले पुष्पा, एनिमल और द गर्लफ्रेंड जैसी सुपरहिट फिल्मों से तहलका मचा चुकी हैं। एक बार फिर उन्हें जबरदस्त अंदाज में देखा जाएगा।

फिल्म मायसा, अपनी शुरुआती झलक सामने आने के बाद से हर तरफ चर्चा में है। धीरे-धीरे फिल्म को लेकर उत्सुकता इतनी बढ़ गई कि यह साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई। अब इस पूरे क्रेज के बीच फिल्म की पहली झलक आखिरकार सामने आ चुकी है। ये साल की सबसे इंटेंस फर्स्ट ग्लिम्प्स में से एक मानी जा रही है। इस झलक में रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे खतरनाक और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने दर्शकों के होश उड़ा दिए हैं। मायसा साल के सबसे रोमांचक सिनेमाई अनुभवों में से एक बनती नजर आ रही है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म की पहली झलक सामने आ चुकी है, जो पूरी तरह से इलेक्ट्रिफाइंग है। दमदार ओपनिंग नैरेशन के साथ रश्मिका को मायसा के रूप में पेश किया गया है, वहीं जलते हुए जंगल के सीन और उसके साथ चलता जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर मिलकर एक बेहद तीव्र और प्रभावशाली माहौल रचते हैं।

हाई ऑक्टेन थ्रिलर देखने को हो जाइए तैयार

फिल्म का BGM इस झलक को और भी ताकतवर बना देता है। ये सच में रौंगटे खड़े कर देने वाला है। यह रश्मिका के गुस्से, जुनून और उनकी तीखी मौजूदगी को पूरी तरह से सपोर्ट करता है। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ही इस फर्स्ट ग्लिम्प्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रश्मिका मंदाना को इतने दमदार और इंटेंस किरदार में देखना वाकई हैरान करने वाला और यादगार अनुभव साबित हो रहा है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन इमोशनल एक्शन थ्रिलर होने का वादा करती है, जो दर्शकों को गोंड जनजाति की सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आकर्षक दुनिया में गहराई तक ले जाएगी। इसमें रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और बदले हुए अवतार में देखा जाएगा, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया।

न कोई प्रपोजल, न कोई दिखावा

रीति-रिवाजों से आदित्य संग पहाड़ों में यामी गौतम ने लिए थे सात फेरे

फिल्म मेकर आदित्य धर फिल्में भले ही खतरनाक बनाते हों लेकिन दिल से वो बहुत सिंपल हैं। डायरेक्टर ने एक्ट्रेस यामी गौतम से 2021 में इंटीमेट वेडिंग की थी। कपल का एक बेटा वेदाविद भी है। यामी ने हाल ही में इस बारे में बात की और बताया कि क्यों उनकी शादी बहुत ही निजी और सादगी भरी थी। कपल ने बिना किसी दिखावे या फिल्मी अंदाज के सात फेरे लिए थे। किसी ने किसी को फिल्मी प्रपोजल नहीं दिया।

यामी ने बताया कि आदित्य के साथ उनका रिश्ता फिल्म उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक के प्रमोशन के दौरान धीरे-धीरे आगे बढ़ा। उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से कहा कि- कोई ऐसा पल नहीं था कि कोई घुटनों पर बैठकर प्रपोज करे या कुछ फिल्मी हो। हम दोनों बस ये जानते थे कि हमें शादी करनी है। हमारे परिवार भी एक-दूसरे से बहुत खुश और सहमत थे। यामी ने ये भी कहा कि अगर कोरोना नहीं भी होता, तब भी मैं बिल्कुल ऐसी ही शादी करना चाहती थीं। बस कुछ अपने लोग, परिवार का आशीर्वाद और नेचर के बीच- मैं यही चाहती थी।

अपनी पहाड़ों में हुई शादी के बारे में यामी ने कहा कि दोनों के लिए परंपराएं बहुत मायने रखती हैं। वो बोलीं- हम चाहते थे कि शादी दिखावे से ज्यादा रस्मों पर आधारित हो। हमें अपनी परंपराएं और हिंदू संस्कृति बहुत पसंद हैं।

मेट्रो बाजार

एयर इंडिया रोम के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू करेगी, इंडिगो दिल्ली-लंदन सेवा का भी होगा आगाज

मुंबई। टाटा समूह की ओर से संचालित एयर इंडिया ने इटली के रोम शहर लिए उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। वहीं, इंडिगो ने दिल्ली से लंदन के हीथ्रो के लिए अपनी सेवाएं शुरू करने का एलान किया है। इन फैसलों से यह तय है कि हवाई यात्रियों को अगले वर्ष भारत और यूरोप के बीच बेहतर कनेक्टिविटी मिलने वाली है। एयर इंडिया 2020 की शुरुआत तक दिल्ली से इटली की राजधानी के लिए अपनी उड़ान सेवाएं संचालित करती थी, पर कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उन्हें निलंबित करना पड़ा। इंडिगो पहले से ही मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच रोजाना सीधी उड़ानें संचालित करती है, और अब लंदन के लिए सप्ताह में 12 उड़ानें संचालित करेगी। एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 25 मार्च, 2026 से एयर इंडिया दिल्ली और रोम (लियोनार्डो दा विंची अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा-फियूमिसिनो) के बीच सप्ताह में चार बार उड़ानें संचालित करेगी, जो लगभग छह वर्षों के बाद इतालवी राजधानी में एयरलाइन की वापसी और उसके बढ़ते यूरोपीय नेटवर्क के और विस्तार का प्रतीक है। कंपनी ने बताया कि रोम से आने-जाने वाली यह सेवा एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान द्वारा सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होगी, जिसमें बिजनेस क्लास में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी क्लास में 238 सीटें होंगी।

2025 में टूटे भारतीय निर्यात के रिकॉर्ड डिजिटल टूल्स से ट्रेड को मिला सहारा

नई दिल्ली। वाणिज्य विभाग ने वर्ष 2025 का समापन अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय बढ़त के साथ किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साल के अंत में जारी समीक्षा में बताया कि 2025 रिकॉर्ड निर्यात, बड़े वैश्विक व्यापार समझौतों और घरेलू कारोबार को आसान बनाने वाले सुधारों का वर्ष रहा। उन्होंने इसे पीएम मोदी के नेतृत्व में उपलब्धियों और प्रगति से भरा साल बताया। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सरकार का फोकस तीन एफटीए को अंतिम रूप देने से लेकर रिकॉर्ड निर्यात हासिल करने तक रहा। इस दौरान ऑटोमेटेड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया गया और घरेलू कारोबारियों के लिए नियामकीय अड़चनें कम की गईं। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल निर्यात रिकॉर्ड 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 6.05 फीसदी की बढ़त है। इसमें सेवाओं के निर्यात का योगदान अहम रहा, जो 387.54 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, दवाइयां व फार्मा, समुद्री उत्पाद और चावल निर्यात की प्रमुख ताकत बने। व्यापार को आसान बनाने के लिए सरकार ने कई डिजिटल पहलें शुरू कीं। निर्यातकों के लिए सिंगल डिजिटल विंडो के रूप में ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गाय, जबकि ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) पोर्टल लॉन्च किया गया, जबकि पोर्टल से रियल-टाइम बाजार डेटा उपलब्ध कराया गया। मंत्री ने कहा कि ये प्लेटफॉर्म डिजिटल ट्रेड इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं और कारोबार का अनुभव बेहतर बना रहे हैं।

शांति, दया और बेहतरी की कामना...

कैथेड्रल चर्च पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिसमस के मौके पर आज दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुंचे। यहां उन्होंने प्रार्थना सभा में भी भाग लिया। यह कैथेड्रल न केवल सबसे पुराने चर्चों में से एक है बल्कि दिल्ली का सबसे बड़ी चर्च भी है। पीएम ने यहां प्रार्थना सभा में भी भाग लिया, इसके साथ ही उन्होंने लोगों को क्रिसमस की बधाई दी है। इस दौरान चर्च में पीएम मोदी के साथ-साथ कई और लोग भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर चर्च की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा कि दिल्ली में द कैथेड्रल चर्च ऑफ़ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना में शामिल हुआ। इस प्रार्थना में प्यार, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलका है। उम्मीद है कि क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और भाईचारा लाएगी। कैथेड्रल चर्च अपने खूबसूरत आर्किटेक्चर के लिए जाना जाता है। यहां हर साल क्रिसमस के मौके खास साज-सज्जा की जाती है। दिल्ली के कोने-कोने से लोग इस चर्च में प्रभु ईसा मसीह की प्रार्थना और क्रिसमस का पर्व मनाने के लिए पहुंचते हैं। इससे पहले भी पीएम मोदी यहां जा चुके हैं।

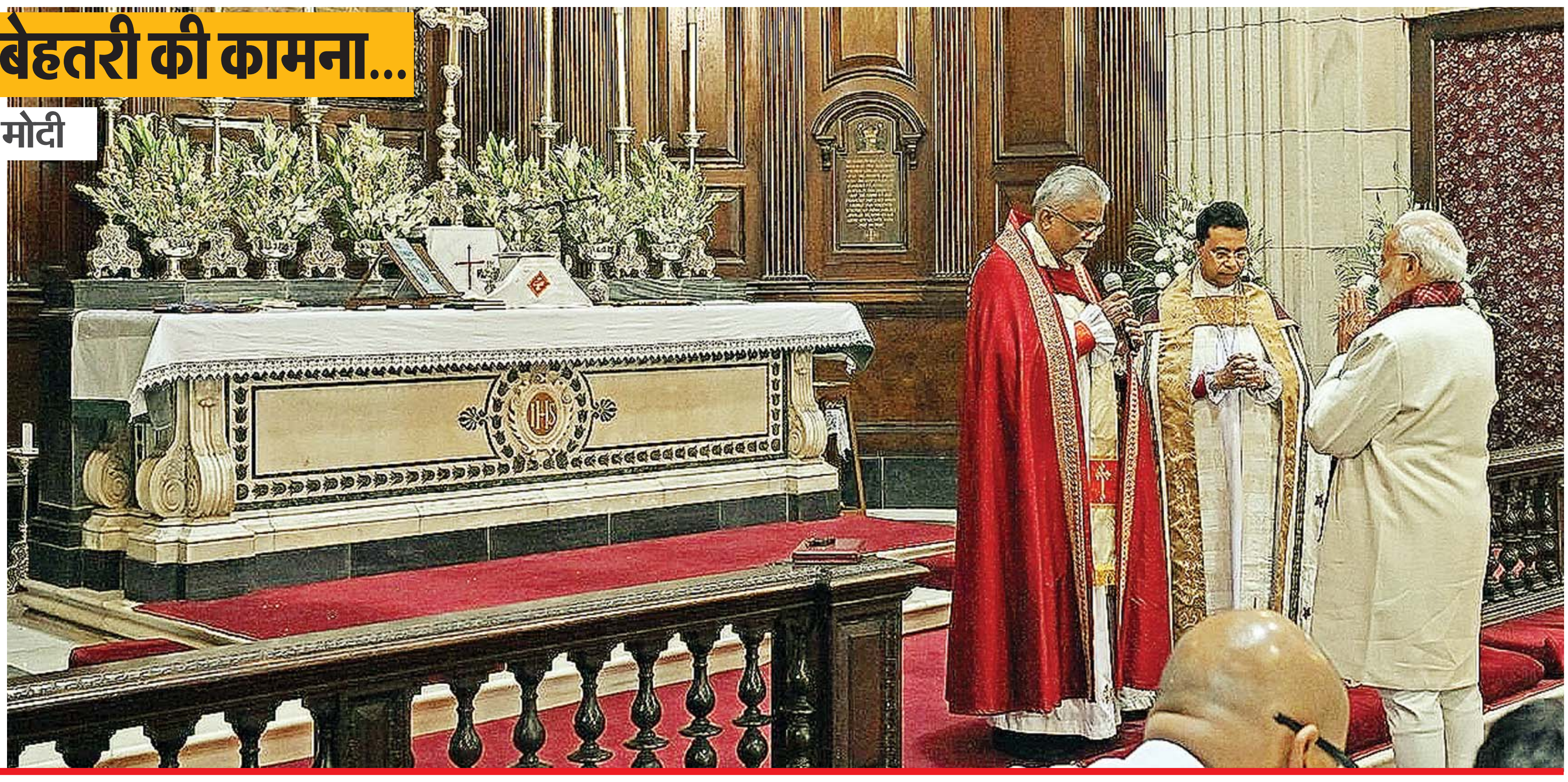

न्यूज विंडो

दिल्ली में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो वांटेड गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने इन्हें पास के ही राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया।वहीं, घटनास्थल से पिस्टल, पांच खाली कारतूस समेत आरोपी की बाइक बरामद की है। दोनों आरोपियों ने मंगलवार की रात नरेला में एक चाय दुकानदार के कंधे में गोली मारी थी और फरार हो गए थे। इन दोनों की पहचान अफजल उर्फ इमरान और चंदन उर्फ काकू के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि दोनों ही नरेला थाना क्षेत्र का घोषित बदमाश हैं। चंदन पर हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, डकैती और चोरी सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं, अफजल पर सरकारी कर्मचारी पर हमला, डकैती, आर्म्स एक्ट, छेड़छाड़ सहित पाक्सो एक्ट और चोरी सहित कई मामले दर्ज हैं। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि नरेला थाना पुलिस को जानकारी मिली कि मंगलवार को नरेला में एक दुकानदार को गोली मारने वाले दोनों बदमाश इलाके में मोटरसाइकिल पर हथियार के साथ घूम रहे हैं।

जनसाधारण एक्स. से पूर्व राज्यमंत्री का पर्स चोरी, 3 राज्यों की पुलिस तलाश में जुटी

मुजफ्फरपुर। ट्रेनों से पुलिस-पब्लिक के साथ अब पूर्व सांसदों का भी सामान चोरी होने लगा है। ट्रेन में सफर के दौरान सुबह केरल की पूर्व राज्यमंत्री व पूर्व लोकसभा सांसद पीके श्रीमथी का पर्स चोरी हो गया। वह कोलकाता से मुजफ्फरपुर आने वाली

13157 जनसाधारण एक्सप्रेस के एसी-2 कोच में थीं। कोलकाता से दलसिंगसराय किसी कार्यक्रम में भाग लेने आ रही थीं।उनके पर्स में आईफोन के अलावा कुछ आभूषण व कागजात थे, जिसमें एटीएम, पैन, आइकार्ड आदि थे। समस्तीपुर जीआरपी में प्राथमिकी कराई है। जीआरपी को शक है कि झाझा-किउल के बीच में बदमाशों ने पर्स चोरी किया है। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी रेल पुलिस के साथ कई उच्च पदस्थ पुलिस के आला अफसर व राजनीतिक लोगों को भी दी है।इस पर उनके पर्स की खोज में कई राज्यों की पुलिस जुट गई है। बिहार, झारखंड के अलावा बंगाल की एसआईटी को भी लगाया गया है। चोरी होने के बाद कई घंटे तक आईफोन खुला रहने से बदमाशों का लोकेशन भी पुलिस को मिला है। इस पर पुलिस काम कर रही है। मोबाइल लोकेशन पहले झाझा स्टेशन के चकाई गांव की तरफ पता चला, उसके बाद दोपहर में देवघर की तरफ आया।

शादी से इनकार करने पर किराएदार ने युवती की मां को जिंदा जलाया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के बासवेश्वरनगर इलाके में देर रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। 28 साल का एक किराएदार कथित तौर पर गुस्से में आ गया और उसने 45 साल की एक महिला को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि महिला ने अपनी बेटी से उसकी शादी कराने से मना कर दिया था। महिला का नाम गीता है। वह एक किराना दुकान चलाती हैं। वह अभी विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी का नाम मुत्तू अभिमन्यु है, जो गीता के घर के किराए के हिस्से में चाय की दुकान चलाता था। किराए का हिस्सा सिर्फ एक कमरा और शौचालय था।अभिमन्यु ने गीता की 19 साल की बेटी से प्यार का इजहार किया था। बेटी बीबीए की दूसरी साल की छात्रा है। जब बेटी ने प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो अभिमन्यु ने गीता पर दबाव डाला कि वो बेटी को मनाए। लेकिन गीता ने भी साफ इनकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 1 बजे अभिमन्यु और गीता के बीच इसी बात पर झगड़ा हो गया। गीता के फिर मना करने पर अभिमन्यु भड़क उठा। उसने पास रखी पानी की खाली बोतल में भरा पेट्रोल गीता पर डाल दिया और आग लगा दी। अभिमन्यु अक्सर इमरजेंसी के लिए ऐसे पेट्रोल रखता था। गीता की चीखें सुनकर उनकी बेटी दौड़ी आई, लेकिन तब तक अभिमन्यु मौके से फरार हो चुका था।

बस का टायर फटने से हादसा, कारें हुईं चकनाचूर

तमिलनाडु में बस ने दो कारों को कुचला, 9 की मौत, चार घायल

चैन्नई। दोपहर मेट्रो

तमिलनाडु के कडलूर जिले में रात सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तिरुचिरापल्ली से चेन्नई जा रही रोडवेज बस का स्टेट हाईवे पर टायर फट गया था। बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ती हुई दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रहीं 2 कारों को कुचल दिया। दोनों कारें बस के नीचे फंसकर पूरी तरह चकनाचूर हो गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही तित्ताकुडी और रामनाथम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तित्ताकुडी और पेरंबलूर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण चेन्नई-तिरुचि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। करीब दो घंटे बाद क्रेन से वाहन हटाकर यातायात चालू किया गया।

सीएम ने मृतकों-घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सीएम ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 3-3 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

मृतकों में 5 पुरुष और चार महिलाएं शामिल

सड़क हादसे में दोनों कारों में सवार 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 5 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। 4 घायलों का इलाज जारी है, इनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं।

नारनौल में कार में आग लगने से पार्षद समेत तीन जले

नारनौल। हरियाणा के नारनौल में बुधवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे नंबर 152-डी पर टोल प्लाजा से कुछ दूरी पहले तेज रफ्तार कैंटर ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में तुरंत आग लग गई और कार सवार तीनों लोग बाहर निकलने का मौका तक नहीं पा सके। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई और तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में गांव नीरपुर निवासी पूर्व जिला पार्षद एवं एडवोकेट राजकुमार यदुवंशी, कपड़ा व्यापारी रविदत्त उर्फ दारा सिंह और टैक्सी चालक प्रवीण उर्फ पौमी की जान चली गई। बताया गया है कि तीनों रात करीब ढाई बजे किया की क्रेंस कार में सवार होकर किसी काम से लौट रहे थे।

इसी दौरान पीछे से आए कैंटर ने लापरवाही और तेज गति से कार को टक्कर मार दी। वहीं, टक्कर के बाद कार और कैंटर दोनों में आग लग गई। कैंटर चालक गाडी से कूदकर मौके से फरार हो गया, जबकि कार में फंसे तीनों लोगों की जलकर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया और कडी मशक्कत के बाद तीनों शवों को कार से बाहर निकाला गया।

एमपी से जम्मू तक बढ़ी ठिठुरन...

कश्मीर में हिमस्खलन का अलर्ट

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

भोपाल/नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

देश के कई राज्यों में शीतलहर का प्रकोप बरकरार है। राजस्थान में सर्दी और तेज हो गई। सीकर जिले का फतेहपुर प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री दर्ज किया गया। इधर, मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री पर पहुंच गया। सीजन में पहली बार पचमढ़ी में तापमान इतना कम हुआ है। मौसम विभाग ने कहा है कि नए साल की शुरुआत तक राज्य के कुछ हिस्सों में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। हालांकि मध्य प्रदेश में कोहरे का असर कम हुआ है, लेकिन कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। शहडोल का कल्याणपुर दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 4-5 दिनों के बाद सर्दी और बढ़ेगी।

बर्फ घिसकने का खतरा बढ़ा

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद रात सिर्फ बादल छाए रहे। इससे सर्दी में कमी आई। अधिकतर इलाकों में रात का तापमान बढ़ा और पारा शून्य से ऊपर दर्ज किया गया। हालांकि, तापमान बढ़ने से पहाड़ों पर जमी बर्फ घिसकने का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है। 24 घंटों में 2800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन हो सकता है।

15 जिलों के स्कूलों में छुट्टी

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज समेत 50 से ज्यादा जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। कई जिलों में विजिबिलिटी शून्य है। सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। रात यूपी के 5 जिलों में तापमान 10 डिग्री से कम रहा। बीते तीन दिनों में सर्दी से राज्य में 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म होने के साथ ही राजस्थान में उत्तरी हवाएं आने लगी हैं। सर्द हवाओं के कारण पारा 7 डिग्री तक गिर गया।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कृतज्ञ राष्ट्र भारत रत्न वाजपेयी के योगदान को याद कर रहा है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत तमाम राजनीतिक-सामाजिक हस्तियों ने दिल्ली में बनाए गए स्मारक- 'सदैव अटल' जाकर दिवंगत राजनेता को नमन किया। इससे पहले पीएम मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए अपने एक्स हैंडल पर वीडियो साझा किया। उन्होंने वाजपेयी के आचरण, विचार और अटल संकल्प को राजनीति का आदर्श मानक करार दिया।

संस्कृत के श्लोक का उद्धरण देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वाजपेयी की जयंती उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का खास मौका है। पीएम मोदी ने वाजपेयी के व्यक्तित्व और आचरण को भी रेखांकित किया। बकौल प्रधानमंत्री मोदी, वाजपेयी ने राष्ट्रहित को हमेशा सबसे ऊपर रखा। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की 101वीं जयंती पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत कई भाजपा नेताओं ने सदैव अटल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जालोर में महिलाओं के स्मार्टफोन बैन पर यू-टर्न

जालोर। दोपहर मेट्रो

राजस्थान के जालोर जिले में सुंधा माता पट्टी के आंजना चौधरी समाज द्वारा महिलाओं और बच्चियों के लिए कैमरे वाले स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव विवादों में घिरने के बाद वापस ले लिया गया है। समाज के अध्यक्ष सुजानाराम चौधरी और वरिष्ठ सदस्यों ने इस फैसले को निरस्त करने का निर्णय लिया। समाज के अग्रणी नथाराम चौधरी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्ताव को पूरी तरह वापस ले लिया गया है।

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब 21 दिसंबर को गजीपुर गांव में आयोजित समाज की बड़ी बैठक में 15 से 24 गांवों की बहू-बेटियों और युवतियों के लिए स्मार्टफोन उपयोग पर रोक लगाने का फैसला लिया गया था।

बैठक की अध्यक्षता सुजानाराम चौधरी ने की थी, जिसमें 14 पट्टियों के प्रतिनिधि और पंच शामिल हुए। प्रस्ताव के अनुसार, 26 जनवरी 2026 से महिलाएं केवल की-पैड वाले बेसिक फोन का ही उपयोग कर सकती थी। सार्वजनिक आयोजनों, शादियों या पड़ोसी के घर जाते समय भी स्मार्टफोन ले जाने पर पाबंदी थी। पढ़ाई करने वाली छात्राओं को घर में सीमित उपयोग की छूट दी गई थी। समाज के बुजुर्गों का तर्क था कि महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने से घर के छोटे बच्चे मोबाइल की लत का शिकार हो रहे हैं। लगातार स्क्रीन देखने से बच्चों की आंखों पर बुरा असर पड़ रहा है और वे गेमिंग ऐप्स तथा सोशल मीडिया में डूब जाते हैं। इसके अलावा, साइबर क्राइम का खतरा और अनुशासनहीनता जैसे मुद्दे भी उठाए गए। प्रस्ताव देवाराम कारनोल पक्ष की ओर से रखा गया था, जिसे पंच हिम्मताराम ने बैठक में पढ़कर सुनाया और सर्वसम्मति से पास किया गया। प्रभावित गांवों में गजीपुरा, पावली, राजपुरा, खानपुर, रोपसी आदि शामिल थे।

मेट्रो एंकर

रूस में 30 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र कर रहे पढ़ाई जिनमें 90 फीसदी मेडिकल छात्र

रूस में MBBS करने वाले सावधान... पढ़ाई के बहाने बुलाया, सेना में भर्ती कराया

नई दिल्ली। दोपहर मेट्रो

भारत में मेडिकल एजुकेशन की पॉपुलैरिटी काफी ज्यादा है। हर साल मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए 20 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स नीट एग्जाम देते हैं। हालांकि, सीटों की सीमित संख्या की वजह से हर किसी को यहां पर एडमिशन नहीं मिल पाता है। यही वजह है कि बहुत से स्टूडेंट्स विदेश का रुख कर लेते हैं। विदेश में एमबीबीएस के लिए जब भी किसी पॉपुलर देश की बात होती है, तो उसमें रूस का नाम जरूर लिया जाता है। भारतीय छात्र रूस के अलग-अलग शहरों में हजारों की संख्या में पढ़ रहे हैं। रूस में 30 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र डिग्री ले रहे हैं, जिसमें से 90 फीसदी ऐसे हैं, जो सिर्फ मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए हैं। इसकी एक मुख्य वजह यहां की किफायती फीस है। 2026 में भी भारतीय छात्र रूस में मेडिकल डिग्री लेने जाएंगे। हालांकि, इस बार स्टूडेंट्स को कॉलेज-यूनिवर्सिटी की रैंकिंग, फीस और पढ़ाई के माहौल से

ज्यादा अपनी सुरक्षा का ख्याल रखना होगा। इसकी वजह ये है कि रूस में इन दिनों कुछ ऐसा हो रहा है, जिसने सभी को चिंतित किया हुआ है। खासतौर पर यहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को।

दरअसल, रूस में पढ़ने जा रहे छात्रों को यहां की सेना में जबरन भर्ती कर यूक्रेन के साथ जंग लड़ने भेज दिया जा रहा है। 2024 और 2025 में रूसी सेना में भारतीय छात्रों की भर्ती से संबंधित कई सारी रिपोर्ट्स सामने आई हैं। छात्र यहां पढ़ने गए, फिर उन्हें पकड़ लिया गया और सेना में लड़ने के लिए भेज दिया गया। विदेश मंत्रालय ने खुद कुछ महीने पहले बताया कि रूस की सेना में 202 भारतीय नागरिकों को भर्ती किया गया है, जिसमें से 26 की मौत हो चुकी है, जबकि 7 लोग ऐसे हैं, जो अभी भी लापता हैं।

सेना में जबरन भर्ती किए गए ज्यादातर भारतीय स्टूडेंट वीजा पर आए थे। इनमें से कुछ मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए थे, जबकि कुछ लैंग्वेज कोर्स करने आए थे। इन्हें एजेंटों ने अपनी ठगी का शिकार बनाया या कानूनी ब्लैकमेल के जरिए विशेष सैन्य अभियान में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया था। सरकार का कहना है कि वह रूसी सेना में फंसे हुए लोगों को लेकर काम कर रही है। रूस के साथ बातचीत चल रही है, ताकि इन्हें रेस्क्यू किया जा सके। यहां पढ़ने वाले छात्रों को अलर्ट रहने को भी कहा गया है। मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए भारतीयों का रूस की सेना में भर्ती किए जाने के कई उदाहरण हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564